PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 238 ● भिलाई, मंगलवार 31 मार्च 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में बहुमंजिला इमारत में भड़की भीषण आग

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र में रविवार को एक बहुमंजिला घर में आग लग गई। कुछ मिनटों में आग ने इतना विकराल रूप ले लिया कि डर के मारे चार लोगों ने नीचे छलांग लगा दी, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं मौके पर पहुंची टीम ने अन्य चार लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह 2:30 बजे उत्तर पूर्वी दिल्ली के दयालपुर थाना क्षेत्र में चंद बाग स्थित एफ ब्लॉक, गली नंबर 23 के एक घर में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि उसे काबू करने के लिए मौके पर 11 गाड़ियां और फायर ब्रिगेड के कर्मचारी तुरंत पहुंच गए। आग की वजह से घर के लोग फंस गए थे और ऊपर की मंजिलों में धुआं फैल गया था। घर में पार्किंग एरिया में दो स्कूटर और एक मोटरसाइकिल भी आग की चपेट में आ गए थे, जिससे धुआं और भी ऊपर की मंजिलों तक फैल गया इस दौरान कुछ लोग बहुत घबराए हुए थे।

जागरूक रहें, अफवाहों के बहकावे में ना आएं-मोदी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से भारत के सामने आई चुनौतियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जागरूक रहने और अफवाहों से बचने की अपील की है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि हम सब मिलकर कठिन हालत से बहुत ही अच्छी तरह बाहर निकल जाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रेडियो कार्यक्रम ‰मन की बात‰ के जरिए राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने कार्यक्रम के 132वें एपिसोड में देशवासियों से अपील करते हुए कहा, वो जागरूक रहें, अफवाहों के बहकावे में ना आएं। सरकार की तरफ से जो आपको निरंतर जानकारी दी जा रही है, उस पर भरोसा करें और उसी पर विश्वास करके कोई कदम उठाएं। उन्होंने कहा, मुझे हर बार की तरह इस बार भी विश्वास है कि जैसे हमने देश के 140 करोड़ देशवासियों के सामर्थ्य से पुराने संकटों को हराया था, इस बार भी हम सब मिलकर के इस कठिन हालत से बहुत ही अच्छी तरह बाहर निकल जाएंगे।

देशभर में धर्म सम्मेलनों से समाज में एकता और राष्ट्र सेवा की भावना मजबूत होगी

धर्मशाला। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने कहा कि पूरे देश में धर्म के सही अर्थ और कर्तव्यों के बारे में जागरूकता फैलाने और लोगों को एकजुट करने के उद्देश्य से विभिन्न धर्म सम्मेलन, स्वधर्म सम्मेलन और हिंदू सम्मेलनों का आयोजन किया जा रहा है। धर्मशाला में पत्रकारों से बातचीत करते हुए दत्तात्रेय होसबोले ने कहा, समाज में एकता और परस्पर सहयोग की भावना को मजबूत करने के लिए ये कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जो लोग आध्यात्मिक साधना और समाज सेवा में लगे हुए हैं। वे इन सम्मेलनों में भाग लेकर राष्ट्र सेवा और आपसी एकता को बढ़ावा दे रहे हैं।

नक्सलवाद की जड़ें उखाड़ने का संकल्प पूरा हो रहा

आदिवासियों की आवाज अब संसद तक पहुंची-अमित शाह

नई दिल्ली। एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश के अंदर से नक्सलवाद के खात्मे के लिए 31 मार्च की समयसीमा तय की है। अब यह डेडलाइन करीब आ गई है। इस समयसीमा के ठीक एक दिन पहले लोकसभा में इस दिशा में किए गए प्रयासों पर चर्चा हुई। लोकसभा में नक्सलवाद के मुद्दे पर नियम 193 के तहत चर्चा की शुरुआत शिवसेना (एकनाथ शिंदे) के सांसद डॉक्टर श्रीकांत शिंदे ने की है। नक्सलवाद के मुद्दे पर लोकसभा में बोलते हुए अमित शाह ने काह कि रेड कॉरिडोर में गिने जाने वाले 12 राज्य और आदिवासियों की ओर से आपका चर्चा के लिए धन्यवाद देता हूं। वे सालों से चाहते थे कि यह व्यवस्था एकबार संसद में उजागर हो और पूरी दुनिया उसको जाने। मगर लंबे समय तक उसको मौका नहीं दिया गया। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ये जो हथियारी मूवमेंट के वकील बने हुए हैं, कहते हैं हमारे साथ अन्याय हो रहा है। अन्याय हो रहा है तो उसके लिए व्यवस्थाएं बनी हैं। अदालतें बनी हैं। हथियार उठा लोगे। संविधान को नहीं मानोगे। ऐसा नहीं चलेगा। ये नरेंद्र मोदी की सरकार है। जो भी हथियार उठाएगा, उसका वही अंजाम होगा। उन्होंने आगे कहा कि बस्तर में लाल आतंक की परछाई थी, इसलिए वहां विकास नहीं पहुंचा। राजकुमार रौत जैसे साथी कह रहे हैं आदिवासी का विकास नहीं हुआ। अमित शाह ने कहा कि 70 में से 60 साल तो सरकार कांग्रेस की रही। फिर क्यों विकास नहीं हुआ। आपने क्यों नहीं किया विकास आज आप हिसाब मांग रहे हो। मैं पूरा बताऊंगा। वहां करोड़ों लोग गरीबी में वर्षों तक जीते रहे, किसी ने चिंता नहीं की। 20 हजार युवा मारे गए, कई दिव्यांग बन गए और उन तक विकास नहीं पहुंचा। कौन जिम्मेदार है। क्या देश की सबसे बड़ी पंचायत को इस पर चिंतन नहीं करना चाहिए। नक्सलवाद का मूल कारण विकास की डिमांड नहीं, एक आइडियोलॉजी है। जिसे एक राष्ट्रपति चुनाव के कारण इंदिरा गांधी ने स्वीकार कर लिया। प्रधानमंत्री मनमोहन ने स्वीकारा था। देश की आंतरिक सुरक्षा की सबसे बड़ी समस्या हथियारी माओवादी है। मगर कुछ नहीं किया गया। 2014 में परिवर्तन हुआ। मोदी जी के शासन के अंदर कई समस्याओं का समाधान हुआ। धारा 370 हट गई, 35ए हट गई, राम जन्मभूमि का मंदिर बन गया। जीएसटी इस देश में वास्तविकता बन गई। विधाई मंडल में मातृ शक्ति को 33 प्रतिशत का आरक्षण दिया गया। कई सारे बड़े काम जो आजादी से इस देश की जनता चाहती थी। वो सारे बड़े काम पीएम मोदी के शासन में हुए। लोकसभा में नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान अमित शाह ने कहा कि रेड कॉरिडोर के 12 राज्यों और आदिवासी समाज की ओर से वह इस बहस के लिए धन्यवाद देते हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी वर्षों से चाहते थे कि उनकी स्थिति संसद में उठे और दुनिया जाने, लेकिन लंबे समय तक उन्हें यह मौका नहीं मिला। अब उनकी आवाज राष्ट्रीय मंच पर पहुंची है।

हथियार डालना हार नहीं, विचारधारा अभी जिंदा-ओवैसी

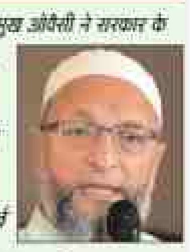

लोकसभा में नक्सलवाद और लेफ्ट विंग एक्सट्रीमिज्म पर चर्चा के दौरान एआईएमआईएम प्रमुख ओवैसी ने सरकार के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि सिर्फ हथियार डालने से समस्या खत्म नहीं होती, क्योंकि विचारधारा अभी भी जिंदा है। उन्होंने कहा कि जो लोग आज सरेंडर कर रहे हैं, उन्होंने कभी भी अपनी विचारधारा को त्यागने की बात नहीं कही है। ओवैसी ने ऐतिहासिक उदाहरण देते हुए कहा कि 1977 में भी सीपीआई (एमएल) ने कुछ समय के लिए अपने सशस्त्र संघर्ष को रोका था, लेकिन बाद में फिर हथियार उठा लिए। उन्होंने कहा कि यह समझना जरूरी है कि यह स्थायी समाधान नहीं बल्कि एक टैक्टिकल रिट्रीट हो सकता है। उन्होंने चारू मजूमदार का जिक्र करते हुए कहा कि नक्सल आंदोलन की जड़ें गहरी हैं और इसे केवल सैन्य कार्रवाई से खत्म नहीं किया जा सकता। ओवैसी ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने जेल में नक्सल नेताओं से बातचीत की है और उनकी सोच आज भी वैसी ही बनी हुई है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार सिर्फ यह मान ले कि नक्सलवाद खत्म हो गया है, तो यह एक बड़ी भूल होगी। ओवैसी ने आगे कहा कि देश के कई इलाकों में जहां नक्सलवाद कम हुआ है, वहां अब न तो नक्सल हैं और न ही सही गवर्नेंस पहुंची है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर प्रशासन और विकास वहां नहीं पहुंचे, तो हालात फिर बिगड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह समस्या सिर्फ कानून-व्यवस्था की नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानता से जुड़ी है।

नोएडा के अंधविश्वास पर सीएम योगी का प्रहार

कुर्सी तो एक दिन जानी ही है, फिर कैसा मोह...?

नई दिल्ली/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में लखनऊ के एक कार्यक्रम में नोएडा से जुड़े उस पुराने अंधविश्वास का जिक्र किया जिसे अक्सर अपशगुन माना जाता था। उन्होंने बताया कि कैसे उनसे कहा गया था कि वहां जाने से कुर्सी चली जाती है, लेकिन उन्होंने नोएडा के मिथक को तोड़ने को अपनी प्राथमिकता बनाया। सीएम योगी ने स्पष्ट किया कि वे आस्था का सम्मान करते हैं पर अंधविश्वास को बिल्कुल नहीं मानते और जनता के हित के लिए काम करते रहेंगे। उनके इस साहसी निर्णय के बाद न केवल नोएडा का विकास हुआ बल्कि लाखों परिवारों के घर का सपना भी सच हो पाया है। योगी आदित्यनाथ ने बताया कि पूर्ववर्ती मुख्यमंत्रियों में नोएडा जाने का साहस नहीं था क्योंकि वे अपनी कुर्सी खोने से डरते थे। उन्होंने कहा कि अगर जनता की सेवा करते हुए कुर्सी जाती है तो उन्हें उसका कोई मोह नहीं है और वे वहां जरूर जाएंगे। इस सोच के साथ उन्होंने अपने पहले कार्यकाल में कई बार नोएडा का दौरा किया और दोबारा भारी बहुमत से चुनाव जीतकर लौटे। मुख्यमंत्री ने जब नोएडा की फाइलों को देखा तो पाया कि करीब 4 लाख खरीदार और बिल्डरों के बीच विवाद के मामले सालों से लटके हुए थे। लोग अपनी जीवनभर की गाढ़ी कमाई बिल्डरों को दे चुके थे और बदले में उन्हें केवल खंडहर हो चुकी इमारतें और बैंकों का भारी कर्ज मिला था।

ड्रग्स और हथियारों के बाद अब भारत भेजे जा रहे नकली नोट एजेंसियां अलर्ट

अमृतसर। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई द्वारा भेजी गई करीब ढाई लाख रुपये की जाली करंसी मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। यह मामला अमृतसर के सीमावर्ती क्षेत्र में सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, नवंबर 2016 की नोटबंदी के बाद पहली बार इस तरह बड़े स्तर पर नकली भारतीय करंसी भारत में गिराए जाने की आशंका जताई जा रही है। इससे पहले आईएसआई की ओर से भारत में हेरोइन और हथियारों की तस्करी की घटनाएं सामने आती रही हैं।

नीतीश के इस्तीफे पर तेजस्वी का बड़ा दावा

तेजस्वी ने भाजपा पर लगाए ठगी के आरोप

पटना/ एजेंसी

बिहार की राजनीति में आज एक बड़ा मोड़ आया है जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इस घटनाक्रम के बाद विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने भाजपा पर तीखा हमला बोला और इसे एक सोची-समझी साजिश करार दिया। उन्होंने दावा किया कि नीतीश कुमार से यह इस्तीफा जबरदस्ती लिया गया है और राज्य की जनता के साथ विश्वासघात हुआ है। यह बयान राज्य के सियासी गलियारों में भारी हलचल पैदा कर रहा है और नए राजनीतिक समीकरणों की ओर इशारा कर रहा है। तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सनसनीखेज दावा किया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी मर्जी से इस्तीफा नहीं दिया है।

बिहार में नीतीश राज खत्म!

मुख्यमंत्री बनने की रेस में तीन नाम सबसे आगे सम्राट चौधरी

नई दिल्ली/ एजेंसी

बिहार की सियासत में सोमवार का सूरज एक बड़े बदलाव की आहट लेकर आया है। दशकों तक बिहार की राजनीति के धुरी रहे नीतीश कुमार अब पटना से दिल्ली की ओर रुख कर रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को विधान परिषद की सदस्यता से अपना इस्तीफा सौंप दिया है। दरअसल, वे 16 मार्च को ही राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हुए थे और 10 अप्रैल से उनका कार्यकाल शुरू होने वाला है। जैसे ही नीतीश ने इस्तीफा दिया, पूरे सूबे में एक ही चर्चा आम हो गई है- अब बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन होगा? यह सवाल केवल राजनीतिक गलियारों तक सीमित नहीं है, बल्कि बिहार का हर नागरिक अब अपने भविष्य और नई सरकार की नीतियों को लेकर उत्सुक है। बिहार में इस बार पहली बार भाजपा का अपना मुख्यमंत्री बनने की प्रबल संभावना जताई जा रही है। इस रेस में सबसे पहला और मजबूत नाम सम्राट चौधरी का उभरकर सामने आ रहा है। वर्तमान में बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी कुशवाहा समाज के एक बड़े चेहरे माने जाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि उन्हें सीएम बनाकर भाजपा एक बड़ा 'जाति कार्ड' खेल सकती है। चूंकि बिहार में यादव और कुर्मी समुदाय से मुख्यमंत्री रह चुके हैं, ऐसे में 4.27 प्रतिशत से अधिक आबादी वाले कुशवाहा समुदाय को साधने के लिए सम्राट चौधरी सबसे उपयुक्त चेहरा हो सकते हैं।

पिता की आंखों के सामने कार बनी चिता, 8 साल की मन्नतों के बाद पैदा हुआ मासूम अंदर फंसा; तड़प-तड़प कर तोड़ा दम

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर स्थित सिमरोल क्षेत्र से एक रूह कंपा देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक खड़ी कार अचानक आग का गोला बन गई और उसके अंदर फंसे साढ़े तीन साल के मासूम बच्चे चिराग की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई। यह खौफनाक हादसा उस वक्त हुआ जब पिता अपने एक दोस्त की गाड़ी ठीक कराने पहुंचे थे और मासूम बच्चा जिद करके उनके साथ चला गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रालामंडल निवासी संजय बहेड़िया शनिवार सुबह अपने मित्र मनीष की खराब डीजे गाड़ी ठीक कराने के लिए सिमरोल पहुंचे थे।

सीएम ममता बनर्जी का तीखा प्रहार

चुनाव खत्म होते ही गैस-कैश देना बंद कर देगी भाजपा......

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बेलदा में एक बड़ी चुनावी रैली की। इस रैली में उन्होंने भाजपा की नीतियों पर जमकर निशाना साधा। ममता बनर्जी ने जनता को चेतावनी देते हुए कहा, भाजपा चुनाव खत्म होते ही गैस और कैश देना बंद कर देगी। उन्होंने इसे भाजपा की एक सोची-समझी चाल और चुनावी खेल करार दिया। ममता बनर्जी ने भाजपा पर समाज को बांटने का गंभीर आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच नफरत और झगड़े पैदा कर रही है। मुख्यमंत्री के अनुसार, भाजपा इस तनावपूर्ण स्थिति का फायदा उठाकर देश को लूटना चाहती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे भाजपा के बहकावे में न आएं। ममता बनर्जी ने साफ किया कि भाजपा केवल सत्ता के लिए लोगों को आपस में लड़ाने का काम कर रही है और चुनाव के बाद वह अपने वादों से मुकर जाएगी। ममता बनर्जी ने गृह मंत्री अमित शाह की राजनीतिक चार्जशीट का जवाब देते हुए कहा, पहली चार्जशीट तो प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह के खिलाफ होनी चाहिए, जो दंगे भड़काकर सत्ता में आए। ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा हिंदू-मुस्लिम से लेकर प्रशासन और पुलिस तक को बांटने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने भाजपा के कहने पर कई काबिल अधिकारियों को हटा दिया है, जो अधिकारियों का अपमान है।

विजयवाड़ा में 9 नक्सलियों का सरेंडर

36 साल से छिपे मास्टरमाइंड माओवादी सुरेश ने डाली अपनी बंदूकें

नई दिल्ली/ एजेंसी

आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में सुरक्षाबलों को एक बहुत बड़ी कामयाबी हाथ लगी है जहां 9 नक्सलियों ने एक साथ पुलिस के सामने समर्पण कर दिया है। इन सरेंडर करने वाले नक्सलियों में सबसे प्रमुख नाम शीर्ष माओवादी कमांडर चेल्लूरी नारायण राव उर्फसुरेश का है जो पिछले कई दशकों से पुलिस की आँखों में धूल झोंक रहा था। इस घटना के बाद पुलिस महानिदेशक हरीश कुमार गुप्ता ने बताया कि राज्य में अब माओवादी गतिविधियां लगभग खत्म हो चुकी हैं और यह शांति की ओर एक बड़ा कदम है। विजयवाड़ा में नक्सलियों के आत्मसमर्पण की इस खबर ने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है क्योंकि इसमें शामिल कमांडर पर कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। विजयवाड़ा में सरेंडर करने वाले 9 नक्सलियों में से चेल्लूरी नारायण राव उर्फ सुरेश की कहानी सबसे ज्यादा चौंकाने वाली और रहस्यमयी मानी जा रही है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार सुरेश पिछले 36 सालों से अंडरग्राउंड रहकर अपनी नक्सली गतिविधियों को अंजाम दे रहा था और वह कभी पुलिस की पकड़ में नहीं आया। वह भाकपा (माओवादी) की सेंट्रल कमेटी का सदस्य और आंध्र-ओडिशा बॉर्डर स्पेशल जोनल कमेटी का सचिव भी रहा है जिससे उसकी बड़ी ताकत का अंदाजा लगाया जा सकता है। सुरेश का आपराधिक इतिहास बहुत ही खौफनाक रहा है क्योंकि उस पर आंध्र प्रदेश और ओडिशा के कई बड़े हमलों में शामिल

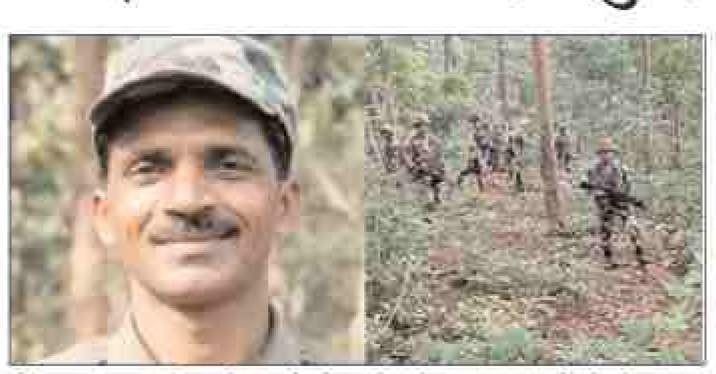

होने का गहरा संदेह पुलिस को है। विशेष रूप से 2018 में पूर्व विधायक किदारी सर्वेश्वर राव और पूर्व विधायक सिवरी सोमेश्वर राव की निर्मम हत्या के मामले में वह मुख्य आरोपी बनाया गया था। पुलिस बलों पर घात लगाकर किए गए कई हमलों यानी एम्बुश में भी उसका नाम प्रमुखता से शामिल रहा है जिससे वह सुरक्षाबलों के लिए बड़ा सिरदर्द बना हुआ था। नक्सलियों के इस सरेंडर के दौरान पुलिस ने उनके पास से आधुनिक और घातक हथियारों का एक बड़ा जखीरा भी बरामद करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने उनके पास से 1 इंसास राइफल, 2 बीजीएल हथियार, 5 '.303' राइफल्स और 5 एसबीबीएल गन समेत कई संचार उपकरण और विस्फोटक जब्त किए हैं। यह बरामदगी दर्शाती है कि ये नक्सली किस कदर हथियारों से लैस थे और सुरक्षाबलों के लिए एक बड़ी चुनौती बने हुए थे जो अब पूरी तरह खत्म हो गई है। आंध्र प्रदेश सरकार की 'सरेंडर और पुनर्वास नीति' के तहत इन सभी पूर्व नक्सलियों को मुख्यधारा में जोड़ने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। कमांडर सुरेश को उसके सरेंडर के बदले 25 लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी जबकि अन्य सदस्यों को उनकी रैंक के अनुसार 1 लाख से 5 लाख रुपये मिलेंगे। पुलिस महानिदेशक ने सभी 9 सदस्यों को तत्काल राहत के रूप में 20,000-20,000 रुपये नकद भी सौंपे हैं ताकि वे सम्मान के साथ अपना नया जीवन शुरू कर सकें।

आंध्र प्रदेश में नक्सलवाद का अंत-डीजीपी हरीश

डीजीपी हरीश कुमार गुप्ता ने पुलिस ऑफिस में पुष्टि की है कि अब आंध्र प्रदेश में भूमिगत माओवादी गतिविधियां पूरी तरह से 'शून्य' के स्तर पर पहुंच गई हैं। उन्होंने बताया कि सात अलग-अलग मुठभेड़ों में 8 माओवादी मारे गए थे और अब तक 81 माओवादियों को गिरफ्तार किया जा चुका है जबकि 106 ने सरेंडर किया है। सरकार का लक्ष्य है कि इन लोगों को सही दिशा में ले जाया जाए और समाज के विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जाए ताकि हिंसा का रास्ता हमेशा के लिए बंद हो सके।

औराबांधा को तीर्थ स्थल घोषित करने की मांग को लेकर सतनामी समाज ने सौंपा ज्ञापन

दल्लीराजहरा। सतनामी समाज ने अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और कलेक्ट्रेट पहुंचकर ज्ञापन सौंपा है। मामला वीर बलिदानी राजा गुरु बालक दास जी के शहादत स्थल औराबांधा (जिला मुंगेली) से जुड़ा हुआ है, जहां धारा 144 हटाने और स्थल को तीर्थ स्थल घोषित करने की मांग तेज हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार, जिला मुंगेली के औराबांधा में स्थित वीर बलिदानी राजा गुरु बालक दास का शहादत स्थल लंबे समय से विवाद और प्रशासनिक प्रतिबंधों में घिरा हुआ है। सतनामी समाज का कहना है कि यह स्थल गुरु घासीदास जी के द्वितीय पुत्र का बलिदान स्थल है, जो समाज के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र है।

इस मुद्दे को लेकर बेमेतरा कलेक्ट्रेट में सतनामी समाज के सैकड़ों युवा और समाज के लोगों ने एकजुट होकर अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाया। ज्ञापन के माध्यम से समाज ने स्पष्ट किया कि 2023 विधानसभा चुनाव के दौरान इस स्थल को लेकर बड़े वादे किए गए थे, जिनमें धारा 144 हटाने और इसे भव्य तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करने की घोषणा शामिल थी। हालांकि, सरकार बनने के करीब 2 से 3 वर्ष बीत जाने के बाद भी यह वादा अब तक पूरा नहीं हुआ है। इसे लेकर सतनामी समाज में भारी नाराजगी देखी जा रही है। समाज के लोगों का आरोप है कि चुनाव के समय किए गए वादों को जनप्रतिनिधियों और सरकार द्वारा नजरअंदाज किया जा रहा है, जिससे आक्रोश लगातार बढ़ता जा रहा है। सतनामी समाज ने अपनी मांगों में कहा है कि शहादत दिवस के अवसर पर औराबांधा को सभी प्रतिबंधों से मुक्त किया जाए, धारा 144 तत्काल प्रभाव से हटाई जाए तथा इस पवित्र स्थल को आधिकारिक रूप से तीर्थ स्थल घोषित किया जाए। इसके साथ ही भूमि पूजन कर विकास कार्य शुरू करने की भी मांग रखी गई है।

अब देखना होगा कि सतनामी समाज की इन मांगों पर सरकार क्या रुख अपनाती है। क्या शहादत दिवस से पहले यह वादा पूरा किया जाएगा या फिर यह मुद्दा आने वाले समय में और तूल पकड़ेगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश सतनामी समाज जिला अध्यक्ष लकी बंसल, सामाजिक कार्यकर्ता अविनाश घृतलहरे, जिला प्रभारी प्रदेश सतनामी समाज अमित पाटले कोषाध्यक्ष संतन बंजारे, खेल रहेकर भीम आर्मी जिला अध्यक्ष, चंद्रभूषण, हितेश बंजारे, जलेश्वर, मनोज नवरंग, उपस्थित थे।

छीरपानी जलाशय से जुड़ी 8.10 करोड़ की नहर लाइनिंग परियोजना का शुभारंभ

1540 एकड़ में पहुंचेगा सिंचाई जल

कवर्धा। बोड़ला विकासखंड के किसानों के लिए सिंचाई सुविधा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने ग्राम सारंगपुर में 8.10 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली रामहेपुर वितरक नहर एवं उससे जुड़ी माइनर नहरों के सीसी लाइनिंग कार्य का विधिवत शुभारंभ किया। यह परियोजना छीरपानी जलाशय से संचालित नहर तंत्र के सुदृढ़ीकरण से संबंधित है, जिसके पूर्ण होने पर 1540 एकड़ क्षेत्र में सुचारू सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। परियोजना के तहत वर्तमान 1045 एकड़ की सिंचाई क्षमता को बढ़ाकर 1540 एकड़ किया जाएगा, यानी 495 एकड़ का अतिरिक्त विस्तार होगा। इससे 6 गांवों—मानिकपुर, सिल्हाटी, बघर्रा, सारंगपुर कला, सिंघनुपरी एवं रामहेपुर कला—के 800 से अधिक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। नहरों की पक्की लाइनिंग से जल रिसाव पर रोक लगेगी, अंतिम छोर तक पानी पहुंचेगा और जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। इससे खरीफ फसलों की उत्पादकता में वृद्धि और किसानों की आय में इजाफे की उम्मीद जताई जा रही है। करीब 13.65 किलोमीटर लंबी नहरों का कायाकल्प इस परियोजना का प्रमुख हिस्सा है। इसमें रामहेपुर वितरक नहर (4650 मीटर), सिल्हाटी माइनर-1 (1230 मीटर), सिल्हाटी माइनर-2 (1680 मीटर), बघरा माइनर (780 मीटर) तथा रामहेपुर टेल माइनर (दायी एवं बायी) कुल 5310 मीटर शामिल है। साथ ही आवश्यक पक्के ढांचों का पुनर्निर्माण एवं मरम्मत कार्य भी किया जाएगा, जिससे जल प्रवाह की क्षमता और संरचनात्मक मजबूती सुनिश्चित हो सके। शुभारंभ अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार गांव, गरीब और किसान को केंद्र में रखकर योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने बताया कि नहर लाइनिंग से पानी का अनावश्यक अपव्यय रुकेगा और खेतों तक समान रूप से पानी पहुंच सकेगा। अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने ग्रामीणों से भी अपील की कि वे निर्माण कार्य पर नजर रखें और जनसहयोग से इसे सफल बनाएं। इस अवसर पर गांव के समग्र विकास को गति देने हेतु 41 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण तथा मुख्य चौक पर भव्य डोम निर्माण की घोषणा भी की गई। साथ ही ग्रामीण हित से जुड़ी अन्य योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया गया कि पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जा रहा है। महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 25 किस्तों में 25 हजार रुपये की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है। ग्राम पंचायत भवन में संचालित डिजिटल सुविधा केंद्र से महिलाओं और बुजुर्गों को योजनाओं की राशि प्राप्त करने में सहूलियत मिल रही है। स्वामित्व योजना के तहत संपत्ति अधिकार पत्र तैयार किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में पारदर्शिता और स्वामित्व की स्पष्टता बढ़ेगी। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे, जनपद उपाध्यक्ष नंद श्रीवास, राम किंकर वर्मा, मनोराम साहू सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। क्षेत्र के किसानों ने परियोजना को खेती के लिए नई मजबूती देने वाला कदम बताया है।

पुलिस उप महानिरीक्षक साहू ने थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा का किया निरीक्षण

बेमेतरा। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू ने थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारी/कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाये जाने के साथ ही कानून व सुरक्षा व्यवस्था को बनाये रखते हुए बेहतर पुलिसिंग के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। इस दौरान पुलिस उप महानिरीक्षक ने थाना में समस्याएं एवं शिकायतें लेकर आए आम जनमानस की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा मौके पर ही थाना प्रभारी को रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए तत्काल उचित कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने थाना में आए आम जनमानस से मिलकर उनसे संवाद किया तथा उनके ग्रामों एवं आसपास क्षेत्रों के संबंध में जानकारी लेकर हालचाल जाना। पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू कहा कि फरियाद लेकर आने वाले लोगों से मैत्रीपूर्ण व्यवहार करते हुए उनकी शिकायतों को धैर्यपूर्वक सुनकर प्राथमिकता के आधार पर उनका समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि पीड़ित की शिकायत को संवेदनशीलता के साथ शीघ्र निराकृत किया जाएगा, तो समाज में पुलिस के प्रति विश्वास और सकारात्मक छवि विकसित होगी। निरीक्षण के दौरान बंदी गृह, महिला डेस्क, विवेचक कक्ष, मालखाना सहित संपूर्ण चौकी परिसर की स्थिति का जायजा लिया गया। अवैध शराब, जुआ, सट्टा, गांजा, नशीली दवाओं एवं अन्य अवैध गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। लंबित अपराध, मर्ग, गुम इंसान एवं शिकायतों के शीघ्र निराकरण पर विशेष जोर दिया गया। डीआईजी रामकृष्ण साहू ने विजिबल पुलिसिंग को बढ़ावा देने, रात्रि गश्त, पेट्रोलिंग, कॉम्बिंग ऑपरेशन, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं गोवंश तस्करी पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साइबर प्रहरी अभियान एवं त्रिनयन एप के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सशक्त एप के माध्यम से वाहन चेकिंग को प्रभावी बनाने तथा स्मार्ट एवं हाईटेक पुलिसिंग को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। कम्युनिटी पुलिसिंग को सुदृढ़ करने, अपराध नियंत्रण हेतु मजबूत सूचना तंत्र विकसित करने तथा विजिबल पुलिसिंग एवं चेकिंग अभियान को सक्रिय रखने के निर्देश दिए गए। महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित अपराधों के निराकरण हेतु ऑपरेशन मुस्कान चलाने तथा संपत्ति संबंधी अपराधों के आदतन आरोपियों पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने समयबद्ध मामलों का शीघ्र निराकरण कर 60 से 90 दिनों के भीतर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत करने की आवश्यकता पर बल दिया। तलाशी एवं जब्ती के दौरान फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी को अनिवार्य करते हुए पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। नवीन आपराधिक कानून—भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम—के प्रभावी क्रियान्वयन पर भी विशेष जोर दिया गया। बीट प्रभारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने क्षेत्र में निरंतर भ्रमण कर स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित करें तथा जुआ, अवैध शराब, मादक पदार्थों की गतिविधियों की जानकारी संकलित करें। निगरानी एवं सूचीबद्ध अपराधियों पर सतत नजर रखें तथा क्षेत्र की महत्वपूर्ण सूचनाएं नियमित रूप से बीट पुस्तिका में अद्यतन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य थाना/चौकी स्तर पर जनसंपर्क को सुदृढ़ करना एवं अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है। बीट प्रणाली से सूचना तंत्र मजबूत होगा और क्षेत्र पर पुलिस का नियंत्रण बेहतर होगा। डीआईजी ने सरप्राइज चेकिंग के माध्यम से वाहनों की सघन जांच करने, सशक्त एप के उपयोग को बढ़ाने तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, भीड़भाड़ वाले स्थानों जैसे बस स्टैंड, चौपाटी आदि में नियमित चेकिंग एवं संदिग्ध व्यक्तियों—ठेला, गुमटी संचालकों एवं फेरीवालों—की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

कुमारी वाणी का किक बॉक्सिंग अस्मिता खेलो इंडिया राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु चयन

दल्लीराजहरा। किक बॉक्सिंग अस्मिता-खेलो इंडिया-राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 26 मार्च से 29 मार्च तक' विनायका मिशन रिसर्च फाउंडेशन, फाउंडेशन चेन्नई में किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में देश के चारों जोन के खिलाड़ियों का चयन किया गया है, जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य भी शामिल है। छत्तीसगढ़ जोन से दल्ली राजहरा की प्रतिभावान खिलाड़ी कुमारी वाणी का चयन इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता के लिए हुआ है। कुमारी वाणी विगत 15 वर्षों से दल्ली राजहरा मार्शल आर्ट क्लब में नियमित रूप से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। वे पूरे बालोद जिले की एकमात्र खिलाड़ी हैं, जिन्होंने किक बॉक्सिंग अस्मिता खेलो इंडिया राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्थान बनाया है, जो जिले और क्षेत्र के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। कुमारी वाणी केवल किक बॉक्सिंग ही नहीं, बल्कि अन्य मार्शल आर्ट्स जैसे Karate एवं Muay Thai में भी राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता रह चुकी हैं। उनका यह चयन उनकी मेहनत, लगन और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। कुमारी वाणी 24 मार्च को चेन्नई के लिए रवाना हो रही हैं। इस अवसर पर दल्ली राजहरा मार्शल आर्ट क्लब के संचालक लखन कुमार साहू सह संचालक प्रणव शंकर, मिलन एवं क्लब की मुख्य कोच हरबंस कौर सहित गणमान्य नागरिकों, खेल प्रेमियों एवं समाजसेवियों ने उन्हें शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद प्रदान करते हुए आशा व्यक्त की है कि वे छत्तीसगढ़ राज्य की टीम के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक जीतकर दल्ली राजहरा एवं पूरे प्रदेश का नाम रोशन करेंगी। इस संबंध में जानकारी जिला किक बॉक्सिंग संघ के सचिव किशोरनाथ योगी द्वारा प्रदान की गई।

प्रभु श्री राम की भव्य शोभायात्रा का नगर में आरती कर किया स्वागत

बेमेतरा। बेमेतरा में राम जन्म उत्सव समिति का 13 वीं वर्ष भक्ति और उत्साह का अद्भुत नजारा देखने को मिला, जब प्रभु श्रीराम की भव्य शोभायात्रा पूरे शहर में धूमधाम से निकाली गई। रथ पर सवार प्रभु श्रीराम की आकर्षक झांकी ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। जैसे ही शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरती हुई नगर के मुख्य चौक-चौराहों पर पहुँची, वैसे ही भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर भगवान का स्वागत किया और वातावरण जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। शोभायात्रा में शामिल भजन मंडलियों ने भक्ति गीतों से माहौल को और भी भक्तिमय बना दिया।

बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर वर्ग के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। सुरक्षा और व्यवस्था के लिए प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। इस अवसर पर अपने संबोधन में विधायक दीपेश साहू ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जीवन हम सभी के लिए आदर्श है। उनका संपूर्ण जीवन सत्य, धर्म, त्याग, कर्तव्य और मर्यादा का प्रतीक है। आज के समय में हमें उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की आवश्यकता है, जिससे समाज में नैतिकता और सद्भावना का वातावरण सुदृढ़ हो सके। उन्होंने आगे कहा कि भगवान श्रीराम ने हमें सिखाया है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी धर्म और सत्य का मार्ग नहीं छोड़ना चाहिए। उनका जीवन हमें प्रेरित करता है कि हम अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा और ईमानदारी के साथ करें। विधायक साहू ने शोभायात्रा के भव्य एवं सुव्यवस्थित आयोजन के लिए श्री राम जन्मोत्सव समिति बेमेतरा सहित सभी आयोजकों, कार्यकर्ताओं एवं नगरवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में एकता, भाईचारा और आध्यात्मिक चेतना का विस्तार होता है। अंत में उन्होंने भगवान श्रीराम से समस्त क्षेत्रवासियों के लिए सुख, शांति, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। इस भव्य आयोजन ने पूरे बेमेतरा शहर को आस्था और उल्लास के रंग में रंग दिया, जहां हर कोई प्रभु श्रीराम की भक्ति में लीन नजर आया इस अवसर पर बेमेतरा विधायक दीपेश साहू जी नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा किसान नेता योगेश तिवारी किसान मोर्चा प्रदेश सहकोषाध्यक्ष मोटी साहू आदित्य राजपूत निशा चौबे नीलू राजपूत अमरीका अमित खिलवानी निर्मलकर गौरव साहू विकास तंबोली नीतू कोठारी राजकुमार खांडे लकी साहू मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन डॉ विनय साहू संदीप यादव वैभव तिवारी राजेश शर्मा रोशन दत्ता राकेश मोहन शर्मा ललित निर्मलकर छबू साहू सावित्री रजक राजा पांडे घनश्याम अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में राम भक्त उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के 'मन की बात' से सशक्त भारत का निर्माण करेगा ओबीसी समाज: श्याम जायसवाल

दल्लीराजहरा। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा, जिला बालोद द्वारा जिले के सभी 17 संगठनात्मक मंडलों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' (132वीं कड़ी) का सामूहिक श्रवण कार्यक्रम गरिमामय ढंग से आयोजित किया गया। भाजपा जिला अध्यक्ष चेमन देशमुख के मार्गदर्शन एवं ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष श्याम जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले भर के पिछड़ा वर्ग के कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक शिरकत की।

बूथ स्तर तक पहुंचे कार्यकर्ता : ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्याम जायसवाल ने बताया कि संगठन के निर्देशानुसार दल्लीराजहरा ,बालोद, गुरूर, गुंडरदेही, देवरी और डौंडीलोहारा सहित सभी 17 मंडलों में मंडल अध्यक्षों और प्रभारियों की देखरेख में कार्यक्रम संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संबोधन में जल संरक्षण, डिजिटल इंडिया और 'वोकल फॉर लोकल' जैसे विषयों पर दी गई सीख ओबीसी समाज के शिल्पकारों और छोटे उद्यमियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायी है।

योजनाओं पर चर्चा: कार्यक्रम के पश्चात विभिन्न मंडलों में संक्षिप्त संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया, जिसमें केंद्र सरकार की 'पीएम विश्वकर्मा योजना' और अन्य पिछड़ा वर्ग के कल्याण हेतु चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की गई। जिला अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे इन योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए संकल्पित होकर कार्य करें। आज के इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा के सक्रिय कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

जालाराम मंदिर हॉल में आर्ट अटैक ग्रीष्मकालीन शिविर का समापन, 42 बच्चों ने लिया भाग

दल्लीराजहरा। जयश्री जैन एवं किटी दावड़ा द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन आर्ट अटैक शिविर का आयोजन 21 मार्च से 28 मार्च तक जलाराम मंदिर हॉल में किया गया, जिसका समापन हर्षोल्लास और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस ग्रीष्मकालीन शिविर में कुल 42 बच्चों ने भाग लिया और कला, हस्तकला, स्वयं करें गतिविधियां, खेल तथा मनोरंजक शिक्षण में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर के दौरान बच्चों ने न केवल नई-नई कौशल सीखीं, बल्कि अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का भी शानदार प्रदर्शन किया। पूरे शिविर के दौरान हर दिन सीख और मनोरंजन से भरपूर रहा, जिससे बच्चों के आत्मविश्वास में वृद्धि हुई और उनमें नई ऊर्जा का संचार हुआ। विभिन्न गतिविधियों ने बच्चों को सीखने का एक आनंददायक और प्रेरणादायक मंच प्रदान किया। आयोजक जयश्री जैन एवं किटी दावड़ा ने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए अभिभावकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन खुशी, उत्साह और यादगार पलों के साथ किया गया, जहां बच्चों के चेहरों पर खुशी और संतोष साफ झलक रहा था।

यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 13 वाहन चालकों पर 4,500 का चालान

बेमेतरा। यातायात बेमेतरा पुलिस टीम द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों के पालन को सुनिश्चित करने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत भारी वाहन, तेज गति से वाहन चलाना, दोपहिया पर तीन सवारी, बिना सीट बेल्ट, बिना हेलमेट, मॉडिफाई साइलेंसर तथा शराब सेवन कर वाहन चलाने जैसे गंभीर उल्लंघनों पर कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सशक्त ऐप के माध्यम से गुम या चोरी हुए वाहनों की पहचान हेतु वाहन चेकिंग की जा रही है। जिले के विभिन्न थाना/चौकी एवं यातायात स्टाफ के द्वारा सशक्त एप (एप्लिकेशन) के माध्यम से चौक-चौराहे में वाहन चेकिंग कर व पेट्रोलिंग के दौरान सशक्त एप (एप्लिकेशन) के माध्यम से यातायात बेमेतरा में 50 वाहनों की चेकिंग की गई। इसी क्रम में यातायात बेमेतरा 13 चालान में 13 वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही किया गया। जिसमें बिना सीट बेल्ट, घातक तरीके से वाहन खड़ी करना, मौके पर कागजात पेश न करना, बिना लायसेंस एवं अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कुल 13 प्रकरण में 4,500/- रूपये समन शुल्क लिया गया। उक्त कार्यवाही के दौरान थाना/चौकी प्रभारी एवं यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक प्रवीण खलखो, सउनि मोहन साहू, रघुवीर सिंह सहित यातायात पुलिस टीम शामिल रहे। बेमेतरा पुलिस द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, शराब सेवन कर वाहन न चलाएं, मालवाहक वाहनों में सवारी न बैठाएं, नाबालिग बच्चों को वाहन चलाने न दें, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं तथा वाहन चलाते समय हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करें तथा वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस का सहयोग करें।यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

शादी के 13 दिन बाद नवविवाहिता की मौत, पति पर हत्या का आरोप

रायपुर। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां शादी के महज 13 दिन बाद एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस घटना के बाद मायके पक्ष ने पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, फिंगेश्वर थाना क्षेत्र के ग्राम खैरझिटी की रहने वाली नूतन दीवान की हाल ही में मगरलोड थाना क्षेत्र के करेली छोटी निवासी कामेश के साथ शादी हुई थी। विवाह के कुछ ही दिनों बाद नूतन की अचानक मौत हो गई, जिससे कई सवाल खड़े हो गए हैं। मृतका के परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही उसका पति उसे परेशान करता था और मारपीट करता था। उन्होंने यह भी कहा कि घटना के बाद पति द्वारा मौत के असली कारण को छुपाने की कोशिश की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर पहलू से जांच कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा।

युवक की चाकू मारकर हत्या, 2 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र स्थित सिमरन सिटी फेस-2 में एक युवक की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान अजय अग्रवाल (34 वर्ष) निवासी रावतपुरा फेज-2 के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी ने रास्ता रोककर सरेआम चाकू से हमला किया, जिससे अजय अग्रवाल गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही टिकरापारा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने और गवाहों के बयान दर्ज करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी डोमेश्वर देवांगन (18 वर्ष), निवासी चांगोरभाठा को घटना के महज 2 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि कंस्ट्रक्शन कार्य के ₹50,000 के भुगतान को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था, जिसके चलते आरोपी ने वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल थाना को दें। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

गुढ़ियारी में विवाहिता की संदिग्ध मौत, हत्या की आशंका से मचा हड़कंप

रायपुर। राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। आंबेडकर चौक स्थित एक घर में हुई इस घटना को लेकर परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, जबकि पति इसे आत्महत्या बता रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका पिंकी गुप्ता की मौत संदिग्ध हालात में हुई। घटना के बाद डायल 112 के माध्यम से एंबुलेंस बुलाई गई, जिसके स्टाफ ने पुलिस को सूचना दी। आरोप है कि पुलिस और एंबुलेंस के पहुंचने से पहले ही पति ने मौके की स्थिति में बदलाव कर दिया था, जिससे संदेह और गहरा गया है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने 8.10 करोड़ की सिंचाई परियोजना नहर लाइनिंग कार्य का किया शुभारंभ

नहरों का होगा कायाकल्प, 6 गांवों के किसानों को मिलेगा सिंचाई लाभ

- किसानों के लिए बड़ी सौगात, राम्हेपुर नहर लाइनिंग से 1540 एकड़ में पहुंचेगा पानी
- छीरपानी जलाशय से जुड़ी नहरों की लाइनिंग कार्य शुरू, खेती को मिलेगी नई मजबूती

रायपुर/ संवाददाता

कबीरधाम जिले के बोड़ला क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराने की दिशा में लंबे समय से चली आ रही बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए उप मुख्यमंत्री और कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने ग्राम सारंगपुर पहुंचकर 8.10 करोड़ रुपए की लागत से बोड़ला विकासखंड अंतर्गत छीरपानी जलाशय से जुड़ी राम्हेपुर वितरक नहर एवं उससे संबद्ध माइनर नहरों के सी.सी. लाइनिंग कार्य का विधिवत भूमिपूजन किया। यह महत्वाकांक्षी परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान साबित होगी। कार्य पूर्ण होने पर कुल 1540 एकड़ क्षेत्र में सुचारू सिंचाई सुविधा उपलब्ध हो सकेगी तथा 6 गांवों के 800 से अधिक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा। नहरों के सुदृढ़ीकरण से जल का अपव्यय रुकेगा, अंतिम छोर तक पानी पहुंचेगा और खेती-किसानी को नई मजबूती मिलेगी। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने सारंगपुर गांव के विकास के लिए 41 लाख रुपए की सीसी रोड निर्माण और गांव के मेन चौक में भव्य डोम निर्माण की घोषणा की। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने भूमि पूजन के अवसर पर कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार गांव, गरीब और किसान को केंद्र में रखकर योजनाओं का क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने कहा कि नहरों की लाइनिंग से पानी का अनावश्यक रिसाव रुकेगा, जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और नहरों के अंतिम छोर तक भी समान रूप से पानी पहुंच सकेगा। इससे न केवल फसलों की उत्पादकता बढ़ेगी, बल्कि किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। कार्यक्रम के दौरान उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और क्षेत्र के समग्र विकास को गति मिले। उन्होंने कहा कि नहर निर्माण कार्य से उनकी खेती को सीधा लाभ मिलेगा। आज से निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा रहा है, इसलिए गांव के लोग भी इसमें सक्रिय रूप से ध्यान दें और जनसहयोग से कार्य को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी विकास कार्य की सफलता में आमजन की भागीदारी सबसे अहम होती है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने इस अवसर पर गांव में संचालित विभिन्न विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को आवास स्वीकृत किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सरकार ने अपने वादे के अनुरूप गठन के साथ ही कैबिनेट की पहली बैठक में आवास योजना को स्वीकृति देकर इसे प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को योजनाओं के तहत मिली राशि गांव में ही आसानी से मिल सके, इसके लिए ग्राम पंचायत भवन में डिजिटल सुविधा केंद्र संचालित किया जा रहा है, जिससे महिलाओं और बुजुर्गों को विशेष सुविधा मिल रही है। साथ ही महतारी वंदन योजना के तहत अब तक 25 किस्तों में 25 हजार रुपए की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की जा चुकी है, जिससे महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिली है। इसके साथ ही सीएलएफस्तर पर गांव में महतारी सदन का निर्माण भी किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने यह भी बताया कि स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनके संपत्ति अधिकार सुनिश्चित करने के लिए अधिकार पत्र तैयार किए जा रहे हैं, जिससे गांवों में पारदर्शिता और स्वामित्व की स्पष्टता बढ़ेगी। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्री विदेशी राम धुर्वे, जनपद उपाध्यक्ष श्री नंद श्रीवास, श्री राम किंकर वर्मा, श्री मनीराम साहू सहित जनप्रतिनिधि और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

केरल की एथलेटिक्स टीम पहुंची जगदलपुर

रायपुर। आदिवासी खिलाड़ियों को समर्पित इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी करने वाला छत्तीसगढ़ पहला राज्य बन गया है, जो भारत की खेल यात्रा में आदिवासी सशक्तिकरण और जमीनी स्तर पर भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के तहत बस्तर संभागीय मुख्यालय जगदलपुर के धरमपुरा स्थित क्रीड़ा परिसर में एथलेटिक्स की प्रतियोगिताओं का आयोजन 30 मार्च से 2 अप्रैल तक किया जाएगा। खेलो इंडिया ट्रायबल गेम्स के अंतर्गत बस्तर जिले में आयोजित होने वाली एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए केरल राज्य की टीम आज जगदलपुर पहुंची। रेलवे स्टेशन पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों द्वारा खिलाड़ियों का आत्मीय स्वागत किया गया। बस्तर के हृदय स्थल जगदलपुर में आगामी 30 मार्च से 2अप्रैल तक आयोजित होने वाले चार दिवसीय नेशनल ट्राइबल गेम्स का उत्साह अब धरातल पर दिखने लगा है। इस राष्ट्रीय खेल महाकुंभ में अपनी चुनौती पेश करने के लिए देश के कोने-कोने से खिलाड़ियों का आगमन शुरू हो चुका है। इसी कड़ी में केरल राज्य से 17 सदस्यीय एक दल किरंदुल पैसेंजर के माध्यम से जगदलपुर रेलवे स्टेशन पहुँचा। इस अवसर पर स्थानीय नर्तक दल ने पारंपरिक लोकनृत्य प्रस्तुत कर मेहमान खिलाड़ियों का अभिनंदन किया, जिससे बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली।

नक्सलवाद खत्म होने की ओर सांसद अग्रवाल ने दी बधाई.....

- सांसद ने कहा कि छत्तीसगढ़ गठन के बाद विकास की शुरुआत जरूर हुई, लेकिन नक्सलवाद एक बड़ी बाधा बना रहा

रायपुर। संवाददाता

देश और प्रदेश में नक्सलवाद के खात्मे की दिशा में हो रही प्रगति पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि देश को नक्सलमुक्त बनाने का संकल्प अब पूरा होने की ओर बढ़ रहा है। सांसद ने कहा कि छत्तीसगढ़ गठन के बाद विकास की शुरुआत जरूर हुई, लेकिन नक्सलवाद एक बड़ी बाधा बना रहा। अब इसके खत्म होने के बाद सुदूर आदिवासी क्षेत्रों तक विकास और मूलभूत सुविधाएं तेजी से पहुंचेंगी और प्रदेश तेजी से आगे बढ़ेगा। मिडिल ईस्ट में जारी हालात को लेकर विपक्ष की राजनीति पर उन्होंने कहा कि ऐसे समय में देश को एकजुट रहने की जरूरत है। कोरोना काल की तरह मिलकर हर चुनौती का सामना किया जा सकता है। साथ ही आपदा के समय मुनाफाखोरी और ब्लैक मार्केटिंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की बात भी कही। बस्तर में सुरक्षा बलों की तैनाती और केंद्र से राशि मांगने के मुद्दे पर कांग्रेस के सवालों पर अग्रवाल ने कहा कि पहले की सरकार में स्थिति कमजोर थी, जबकि अब ट्रिपल इंजन सरकार काम कर रही है। जरूरत पड़ने पर केंद्र सरकार पूरी मदद करेगी और प्रदेश को पर्याप्त फंड मिल रहा है। विधानसभा में गलत जानकारी देने वाले अधिकारियों के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। मंत्री और विधायक यदि सतर्क रहें तो गलत जानकारी देने वालों पर प्रभावी कार्रवाई संभव है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए जनप्रतिनिधियों को भी सक्रिय भूमिका निभानी होगी।

लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ को और अधिक सुदृढ़,विश्वसनीय और जनोन्मुखी बनाए गए....

- छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन प्रादेशिक पत्रकार सम्मेलन और सम्मान समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल श्री रमेन डेका ने कहा कि लोकतंत्र में व्यवस्थापिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बाद पत्रकारिता को चतुर्थ स्तंभ माना गया है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि एक मिशन और साधना है। समाज का दर्पण कहलाने वाली पत्रकारिता ने सदैव जनता और सत्ता के बीच संपर्क-सेतु की भूमिका निभाई है और लोगों को जागरूक किया है। इसलिए इसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है। राज्यपाल श्री डेका आज भिलाई सेक्टर 4 स्थित एस.एन.जी. ऑडिटोरियम में आयोजित छत्तीसगढ़ जर्नलिस्ट यूनियन के प्रादेशिक पत्रकार सम्मेलन और सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि की आसंदी से सम्बोधित कर रहे थे। इससे पूर्व उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पत्रकारों को सम्मानित किया। राज्यपाल श्री डेका ने इस अवसर पर महिला पत्रकारों को उनकी उत्कृष्ट लेखनी के लिए सम्मानित किया, जिसमें शगुफ्ता शीरीन, अनुभूति भाखरे, कोमल धनेसर, साक्षी सोनी शामिल है। इसी प्रकार समाज सेवी महिलाओं साधना चतुर्वेदी, अंजना श्रीवास्तव, लता बौद्ध, दीप्ति सिंग, सुनीता जैन को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। राज्यपाल श्री डेका ने वर्तमान चुनौतियों का जिक्र करते हुए अवगत कराया कि आज पत्रकारिता एक कठिन दौर से गुजर रही है। सोशल मीडिया के विस्फोट ने सूचना के प्रवाह को लोकतांत्रिक तो बनाया है, लेकिन साथ ही विश्वास का गंभीर संकट भी खड़ा किया है। फेसबुक, व्हाट्सएप और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स पर हर व्यक्ति 'पत्रकार' बन चुका है और सत्यापन से पहले ही समाचार वायरल हो जाते हैं। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि 'फेक न्यूज' और 'डीपफेक' ने सच और झूठ के बीच की रेखा धुंधली कर दी है। इन सबके बीच आज भी प्रिंट मीडिया ने अपनी विश्वसनीयता को कायम रखा है। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि इन चुनौतियों का सामना करने के लिए पत्रकारिता को अपने मूल आदर्शों की ओर लौटना होगा। एक स्वस्थ पत्रकारिता ही एक स्वस्थ लोकतंत्र की नींव है।

कांग्रेस सरकार ने गोठानों को शराब तस्करी का अड्डा बना रखा था-दीपक

- गोठानों के माध्यम से राजीव मितान क्लब के लोगों को पोषित करती थी कांग्रेस पार्टी

रायपुर/ संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता उज्वल दीपक ने कहा कि भूपेश शासनकाल में छत्तीसगढ़ के गोठानों में अवैध शराबखोरी का काम कांग्रेस पार्टी और राजीव मितान क्लब के लोगों द्वारा कराई जाती थी। उन्होंने कहा कि राजीव मितान क्लब के लोगों को तात्कालिक भूपेश बघेल सरकार पोषित करती रही और इन्हीं के माध्यम से शराब की अवैध बिक्री भी कराई जाती थी। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के बयान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राजीव मितान क्लब के लोगों द्वारा गोठानों में शराबखोरी की जाती थी उसका वीडियो भी सोशल मीडिया में प्रसारित हो चुका है। प्रदेश में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाली तात्कालिक भूपेश बघेल सरकार के संरक्षण में अन्य प्रदेशों से शराब लाकर बेची जाती थी। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता उज्वल दीपक ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता को लूटने वाली कांग्रेस पार्टी हमेशा की तरह आज भी जनता के सामने झूठ परोस रही है । आपदा को अवसर समझने वाली कांग्रेस पार्टी आज भी जब दुनिया के कई देशों में युद्ध चल रहा है और अंतरराष्ट्रीय व्यापार भी सुचारू रूप से नहीं हो पा रही है इस पर जनता को भरमाने की कोशिश कर रही है। छत्तीसगढ़ को गांधी परिवार का एटीएम बनाने वाले कांग्रेसी और तात्कालिक भूपेश सरकार आज भाजपा के ऊपर आरोप लगा रहे है। लेकिन प्रदेश कांग्रेस का कलुषित चेहरा प्रदेश की जनता भलीभांति जान चुकी है।

गर्मी में नहीं होगी पानी की किल्लत

रायपुर। जिले में 'विशेष हैण्डपंप संधारण अभियान' का आगाज सुकमा जिले में बढ़ते तापमान और आगामी ग्रीष्मऋतु को देखते हुए सुकमा प्रशासन और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) अलर्ट मोड पर आ गया है। कलेक्टर अमित कुमार के निर्देशन तथा मार्गदर्शन में ग्रामीणों को पेयजल संकट से बचाने के लिए विभाग द्वारा 15 मार्च 2026 से 15 अप्रैल 2026 तक एक महीने का 'विशेष हैण्डपंप संधारण अभियान' चलाया जा रहा है। 6351 हैण्डपंपों की होगी जांच जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित कुल 6351 हैण्डपंपों का तकनीकी टीम द्वारा बारीकी से परीक्षण किया जा रहा है ताकि खराबी आने से पहले ही उन्हें दुरुस्त किया जा सके। मोबाइल यूनिट और तकनीशियन तैनात पीएचई विभाग की मोबाइल यूनिट टीमें और स्थानीय तकनीशियन गांवों का दौरा कर जल स्रोतों और नल-जल योजनाओं की निरंतर निगरानी कर रहे हैं। संसाधनों का पर्याप्त स्टॉक विभाग ने ग्रीष्मकाल के दौरान किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक स्पेयर पार्ट्स और राइजर पाइप का पर्याप्त भंडार सुनिश्चित कर लिया है। ग्रामीणों की सुविधा के लिए विभाग ने त्वरित सहायता तंत्र विकसित किया है। यदि किसी क्षेत्र में पेयजल की समस्या आती है, तो नागरिक इन माध्यमों से अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं: ग्राम पंचायत स्तर पर उपलब्ध नंबर विभागीय उपअभियंता और हैण्डपंप तकनीशियन के मोबाइल नंबर संबंधित ग्राम पंचायतों को उपलब्ध करा दिए गए हैं।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स

कुश्ती स्पर्धा के रोमांचक मुकाबले,खिलाड़ियों ने दिखाया प्रदर्शन

रायपुर/ संवाददाता

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत सरगुजा जिले के अंबिकापुर स्थित गांधी स्टेडियम में आयोजित कुश्ती स्पर्धा के दूसरे दिन देशभर से आए खिलाड़ियों के बीच बेहद रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। खिलाड़ियों ने पूरे जोश और दमखम के साथ प्रतिस्पर्धा करते हुए जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंत में विजेता खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।प्रतियोगिता के प्रमुख फाइनल मुकाबलों में महिला सीनियर 50 किलोग्राम भारवर्ग में झारखंड की पूनम ओरॉंव ने तेलंगाना की के. गीता को 6-3 से पराजित किया, जबकि महिला सीनियर 62 किलोग्राम में हिमाचल प्रदेश की प्रियंका चौधरी ने असम की देबी दैमारी को 11-0 से हराया। पुरुष वर्ग में ग्रीको रोमन सीनियर 67 किलोग्राम में झारखंड के अंजीतकर मुंडा ने गुजरात के वसावा मुकेशभाई को 9-0 से हराया तथा 97 किलोग्राम में हिमाचल प्रदेश के नवीश कुमार ने जम्मू-कश्मीर के शमा हुन को 8-0 से मात दी। वहीं फ्रीस्टाइल सीनियर 74 किलोग्राम में जम्मू-कश्मीर के मुनैर हुसैन ने महाराष्ट्र के विक्रम साहेबराव पवार को 11-1 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पदक विजेताओं में महिला 50 किलोग्राम वर्ग में पूनम ओरॉंव ने स्वर्ण, के. गीता ने रजत तथा चंचला कुमारी और रूपतालिन ने कांस्य पदक प्राप्त किया। महिला 62 किलोग्राम वर्ग में प्रियंका चौधरी को स्वर्ण, देबी दैमारी को रजत तथा चांदनी नरेती और अनिशा बासुमातारी को कांस्य पदक मिला। पुरुष वर्ग में ग्रीको रोमन 67 किलोग्राम में अंजीतकर मुंडा ने स्वर्ण, वसावा मुकेशभाई ने रजत तथा आकाश करदोंग और अक्षय कुमार ने कांस्य पदक जीता। 97 किलोग्राम वर्ग में नवीश कुमार को स्वर्ण, शमा हुन को रजत और साहिल चौधरी को कांस्य पदक मिला। फ्रीस्टाइल 74 किलोग्राम में मुनैर हुसैन ने स्वर्ण, विक्रम साहेबराव पवार ने रजत तथा अंकुश कुमार और अमृत फक्कीरप्पा ने कांस्य पदक हासिल किया। इसी प्रकार फ्रीस्टाइल 125 किलोग्राम में महाराष्ट्र के विनोद यशवंत सलाकार ने स्वर्ण, राजस्थान के अमित कुमार मीना ने रजत तथा हिमाचल प्रदेश के हरपाल सिंह ने कांस्य पदक जीता। कुश्ती स्पर्धा के दूसरे दिन खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन, तकनीकी कौशल और खेल भावना ने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया तथा खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के आयोजन को सफल बनाया।

झारखंड की पूनम उरांव ने रचा इतिहास

छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में आयोजित प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में झारखंड की प्रतिभावान खिलाड़ी पूनम उरांव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 50 किलोग्राम भारवर्ग की कुश्ती स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। चतरा जिले की निवासी पूनम ने अपनी जीत से न केवल अपने राज्य, बल्कि उरांव जनजाति का भी गौरव बढ़ाया है। पूनम की यह उपलब्धि उनके संघर्ष, धैर्य और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। वर्ष 2019 में दिल्ली नेशनल प्रतियोगिता के दौरान लगी गंभीर चोट के कारण उन्हें लंबे समय तक कुश्ती से दूर रहना पड़ा था। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और कड़ी मेहनत के दम पर शानदार वापसी की। प्रतियोगिता के दौरान मांसपेशियों पर टेपिंग के बावजूद पूनम ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को तकनीक और मानसिक मजबूती के बल पर पराजित किया। अपनी जीत पर भावुक होते हुए पूनम ने कहा कि यह उनके लिए गर्व और खुशी का क्षण है तथा लंबे अंतराल और कठिन संघर्ष के बाद यह सफलता उनके और उनके परिवार के लिए बेहद खास है। एक साधारण किसान परिवार से आने वाली पूनम उरांव वर्तमान में रांची स्थित खेलगांव में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। उनके पिता ने ही उन्हें कुश्ती के ट्रायल्स में भाग लेने के लिए प्रेरित किया था। पूनम ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने कोच और परिवार को देते हुए कहा कि कठिन समय में मिले सहयोग ने उन्हें आगे बढ़ने की ताकत दी। स्वर्ण पदक जीतने के बाद पूनम का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है। उनका अगला लक्ष्य छत्तीसगढ़ में आयोजित होने वाली जूनियर नेशनल प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना है, ताकि वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हुए तिरंगा लहरा सकें। प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में पूनम उरांव की यह उपलब्धि अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है और प्रदेश में खेलों के प्रति बढ़ती जागरूकता का प्रतीक है।

संपादकीय

जंग में जब सप्लाई रुकती है, तब शुरू होता है असली संकट

भारत सहित कई देश साफतौर पर किसी भी मसले का हल युद्ध के बजाय कूटनीति के जरिए निकालने के पक्ष में रहे हैं, लेकिन जंग में शामिल देश कई बार इस सबसे जरूरी तकाजे को समझने में देर कर देते हैं। किसी भी युद्ध में भले ही दो देश या पक्ष शामिल होते हैं, लेकिन संभव है कि उसके नतीजों का दायरा इतना बड़ा हो कि अन्य कई देशों के लोगों के सामने मुसीबतें खड़ी हो जाएं। मसलन, ईरान पर इजरायल और अमेरिका के साझा हमले के बाद न केवल पश्चिम एशिया में, बल्कि समूची दुनिया में कई स्तर पर मुश्किलें बढ़ती देखी जा सकती हैं। यह छिपा नहीं है कि ऊर्जा या तेल और गैस के लिए बहुत सारे देश अपनी जरूरतों के ज्यादातर हिस्से के लिए मध्यपूर्व पर निर्भर हैं। मगर इस युद्ध की शुरुआत के बाद अब धीरे-धीरे स्थितियां बिगड़नी शुरू हो चुकी हैं।हालांकि भारत सहित कई देश साफतौर पर किसी भी मसले का हल युद्ध के बजाय कूटनीति के जरिए निकालने के पक्ष में रहे हैं, लेकिन जंग में शामिल देश कई बार इस सबसे जरूरी तकाजे को समझने में देर कर देते हैं। दोतरफा व्यापक हमलों और उसमें जानमाल के भारी नुकसान के बीच ईरान ने जब से होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, तब से दुनिया के कई देशों में तेल और गैस की आपूर्ति भी सीमित या बहुत कम हो गई है। यह ऐसी मुश्किल है, जिससे सभी लोग प्रभावित होंगे।समस्या यह है कि अगर संघर्ष लंबा खिंचा, तो आम लोगों के सामने बहुस्तरीय संकट खड़े होंगे और सरकार के सामने चुनौतियां गहराएंगी। आने वाले दिनों में युद्ध के स्वरूप के बिगड़ने और उसका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका के मद्देनजर ही प्रधानमंत्री ने सोमवार को लोकसभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारत के सामने 'अप्रत्याशित चुनौतियां' हैं। जाहिर है, अब जो हालात हैं, उसमें इनका सामना करना ही विकल्प है। ऐसे में सरकार को जहां रोजमर्रा की अनिवार्य जरूरतों की आपूर्ति को संतोषजनक स्तर पर बनाए रखने के लिए हर उपाय करना होगा, वहीं विपरीत स्थितियों में भी भरोसे को बनाए रखना होगा।शायद इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने याद दिलाया कि कोविड महामारी के दौरान भी आपूर्ति शृंखला का संकट पैदा हुआ था और देश ने एकजुटता से उसका मुकाबला किया।

भारतीय महिलाओं ने स्वतंत्रता सेनानियों से लेकर संसद में नेतृत्व तक का लंबा सफर तय किया है, फिर भी सच्ची समानता अभी भी दूर है। मतदान प्रतिशत बढ़ रहा है, जमीनी स्तर पर प्रतिनिधित्व बढ़ रहा है और महिला आरक्षण विधेयक एक बड़ी छलांग का वादा करता है। लेकिन लैंगिक भेदभाव, परोक्ष राजनीति और सुरक्षा संबंधी चिंताओं जैसी व्यवस्थागत बाधाएं अभी भी बनी हुई हैं। विश्व स्तर पर भारत में महिलाओं की स्थिति मिश्रित है, जहाँ वे नेतृत्व और सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रही हैं, वहीं लैंगिक असमानता, सुरक्षा और श्रम भागीदारी में उन्हें गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा और साक्षरता में प्रगति के बावजूद, पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण और आर्थिक असमानता प्रमुख बाधाएं बनी हुई हैं। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है। जो महिलाओं की स्थिति में चिंताजनक गिरावट दर्शाता है।

महिलाओं को लेकर डॉ कलाम का सपना अधूरा

(योगेंद्र योगी)

आर्थिक भागीदारी में भारत में श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों की तुलना में केवल 18 प्रतिशत है, जो काफी कम है। कामकाजी महिलाओं में से केवल 40-42 प्रतिशत ही अपने पति के बराबर या उससे अधिक कमाती हैं। साक्षरता दर में 2010-2021 के बीच 14.4प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

देश के पूर्व राष्ट्रपति और मिसाइलमैन के नाम मशहूर रहे डॉ एपीजे अब्दुल कलाम ने कहा था कि महिलाओं का सशक्तिकरण एक अच्छे परिवार, अच्छे समाज और अंततः एक अच्छे राष्ट्र के विकास की ओर ले जाता है। जब महिला सुखी होती है, तो घर सुखी होता है। जब घर सुखी होता है, तो समाज सुखी होता है, और जब समाज सुखी होता है, तो राज्य सुखी होता है, और जब राज्य सुखी होता है, तो देश में शांति होती है और उसका विकास अधिक गति से होता है। देश महिलाओं की मौजूदा हलात को देखते हुए लगता यही है डॉ कलाम का यह सपना पूरा नहीं हुआ है। इस सपने को पूरा करने के लिए अभी शायद दशकों तक इंतजार करना पड़ेगा।

भारतीय महिलाओं ने स्वतंत्रता सेनानियों से लेकर संसद में नेतृत्व तक का लंबा सफर तय किया है, फिर भी सच्ची समानता अभी भी दूर है। मतदान प्रतिशत बढ़ रहा है, जमीनी स्तर पर प्रतिनिधित्व बढ़ रहा है और महिला आरक्षण विधेयक एक बड़ी छलांग का वादा करता है। लेकिन लैंगिक भेदभाव, परोक्ष राजनीति और सुरक्षा संबंधी चिंताओं जैसी व्यवस्थागत बाधाएं अभी भी बनी हुई हैं। विश्व स्तर पर भारत में महिलाओं की स्थिति मिश्रित है, जहाँ वे नेतृत्व और सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रही हैं, वहीं लैंगिक असमानता, सुरक्षा और श्रम भागीदारी में उन्हें गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। शिक्षा और साक्षरता में प्रगति के बावजूद, पितृसत्तात्मक दृष्टिकोण और आर्थिक असमानता प्रमुख बाधाएं बनी हुई हैं। ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है। जो महिलाओं की स्थिति में चिंताजनक गिरावट दर्शाता है।

देश में महिलाएं अभी तक लिंगभेद का शिकार हैं। महिलाओं के साथ होने वाले शोषण और अपराधों के ग्राफ बताते हैं कि उनकी तरक्की ऊंट के मुंह में जीरे से ज्यादा नहीं है। साल 2023 की राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में 2023 में महिलाओं के खिलाफ 13,366 मामले दर्ज हुए, जो मुंबई में 6,025 और बेंगलुरु में 4,870 से कहीं ज्यादा है। हालांकि साल 2022 के मुकाबले महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 5.7 प्रतिशत की गिरावट आई है। देश में 2021 से 2023 के बीच महिलाओं के खिलाफ कुल 13,21,745 अपराध दर्ज हुए। औसतन हर तीन मिनट में एक महिला किसी न किसी अपराध का शिकार हुई। गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने राज्यसभा में पेश आंकड़ों के बताया कि ने घरेलू हिंसा, अपहरण, यौन अपराध और बाल शोषण जैसी घटनाओं में लगातार तीन वर्षों में बढ़ोतरी देखी गई।

उत्तर प्रदेश इन तीन वर्षों में सबसे आगे रहा, जहां 1,88,207 मामले दर्ज हुए। इसके बाद महाराष्ट्र में 1,31,958, राजस्थान 1,31,246, बंगाल 1,05,313 और मध्य प्रदेश में 95,780 मामलों ने स्थिति की गंभीरता को उजागर किया है। महिलाओं के

खिलाफ प्रमुख अपराधों में शामिल रहे पति या रिश्तेदारों द्वारा क्रूरता के 4,09,929 मामले तो वहीं अपहरण के 2,49,284 मामले सामने आए। गृह राज्य मंत्री बंदी ने बताया था कि अपराधों के ये रुझान सामाजिक और कानून-व्यवस्था की चुनौतियों को उजागर करते हैं। विभिन्न राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और बच्चों से जुड़े अपराधों की संख्या चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई है।

आर्थिक भागीदारी में भारत में श्रम बल में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों (82 प्रतिशत) की तुलना में केवल 18 प्रतिशत है, जो काफी कम है। कामकाजी महिलाओं में से केवल 40-42प्रतिशत ही अपने पति के बराबर या उससे अधिक कमाती हैं। साक्षरता दर में 2010-2021 के बीच 14.4प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि, केवल 10प्रतिशत महिलाएं अपने स्वास्थ्य संबंधी निर्णय खुद ले पाती है। संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। 2024 में 800 महिला उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा। फिर भी, वैश्विक स्तर पर यह भागीदारी अभी भी कम है।

लोकनीति-सीएसडीएस के 2019 के 'महिलाएं और राजनीति' सर्वेक्षण के मुताबिक अधिकतर महिलाओं को रैलियों में जाने, उम्मीदवार से मिलने या चुनाव प्रचार करने के लिए परिवार की मंजूरी लेनी पड़ती है। 58 प्रतिशत महिलाओं का मानना था कि राजनीतिक परिवार से आने वाली महिलाओं के लिए राजनीति में प्रवेश आसान होता है। जबकि 57 प्रतिशत का मानना था कि आर्थिक रूप से मजबूत परिवारों की महिलाओं को बढ़त मिलती है। अपने सर्वोच्च स्तर पर भी पहुंचकर भी महिलाओं का लोकसभा में हिस्सा लगभग 14 प्रतिशत ही रहा, जबकि मतदाताओं में उनकी हिस्सेदारी लगभग 50 प्रतिशत है। 1952 में पहली लोकसभा में सिर्फ 22 महिलाएं चुनी गई थीं। 1977 में तो यह संख्या घटकर 19 ही रह गई। एक बड़ा बदलाव 21वीं सदी में दिखा। साल 2009 में 59 महिलाएं सांसद बनीं, 2014 में यह संख्या बढ़कर 62 हो गई, और 2019 में यह ऐतिहासिक रूप से बढ़कर 78 तक पहुंच गई। 2024 में यह थोड़ा घटकर 74 रह गई। राजनीतिक दल अक्सर कम टिकट देने को यह कहकर सही ठहराते हैं कि महिलाओं के जीतने की संभावनाएं कमजोर होती हैं। लेकिन सफलता का आंकड़ा इस दावे को सवालों के घेरे में डाल देता है। 1957 में 49 प्रतिशत महिला उम्मीदवार जीतीं, जबकि पुरुषों में जीत का प्रतिशत सिर्फ 33 प्रतिशत था। 1962 में महिलाओं की सफलता दर 47 प्रतिशत थी जबकि पुरुषों की सिर्फ 25 प्रतिशत। हाल के चुनावों में भी महिलाओं की सफलता दर बराबर या थोड़ा बेहतर ही रही। वर्ष 2019 में 11 प्रतिशत जीतीं, जबकि पुरुषों में यह दर 6 प्रतिशत थी। 2024 में महिलाओं की सफलता दर 9 प्रतिशत और पुरुषों की 6 प्रतिशत रही। इन आंकड़ों से साफ़ है कि जब महिलाओं को टिकट मिलता है तो वे चुनाव जीत सकती हैं। चाहे महिलाएं अब वोटिंग में लगभग बराबरी पर हों, लेकिन असली राजनीतिक शक्ति और प्रतिनिधित्व अब भी सीमित है। महिला आरक्षण बिल का पारित होना इस अंतर को कम करने का एक संरचनात्मक रास्ता जरूर खोलता है। आज भी 23त्र युवा महिलाओं की शादी 18 वर्ष से पहले हो जाती है, जो ग्रामीण और गरीब घरों में अधिक आम है। एक सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, पंचायत प्रतिनिधियों में महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 46प्रतिशत है, हालांकि, उनकी प्रभावी भागीदारी कम बनी हुई है, खासकर उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा और राजस्थान जैसे उत्तरी राज्यों में, जहां अक्सर पुरुष रिश्तेदार निर्णय लेने में हावी रहते हैं। इस प्रथा को उजागर करने और इसकी निंदा करने के लिए 'प्रधान पति' शब्द राजनीतिक शब्दावली में शामिल हो गया है। यह दर्शाता है कि किस प्रकार गहरी जड़ें जमा चुके लैंगिक मानदंड प्रगतिशील कानूनों को कमजोर कर सकते हैं - परिवार और समुदाय सत्ता में महिलाओं को देखकर असहज महसूस कर सकते हैं, इसलिए वे पुरुषों को पर्दे के पीछे रखकर पुराने मानदंडों को लागू करते हैं। महिलाएं अब सेना, अंतरिक्ष, खेल और व्यावसायिक नेतृत्व में नए मानदंड स्थापित कर रही हैं। स्व-सहायता समूह, डिजिटल साक्षरता और शिक्षा में सुधार के लिए सरकारी प्रयासों से बदलाव आ रहा है।

वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत तलाशने की बढ़ी दरकार

(उमेश चतुर्वेदी)

भारत के संदर्भ में देखें, तो रसोई गैस के मोर्चे में देश ने पिछले दस वर्षों में बड़ी क्रांति को देखा है। देश के रसोई घरों में पीएनजी यानी पाइप्ड नेचुरल गैस और एलपीजी यानी लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की खपत बढ़ी है। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, देश में प्राकृतिक गैस की रोजाना खपत करीब 189 मिलियन घन मीटर है।

ईरान पर अमेरिकी और इजरायली कार्रवाई के बाद पेट्रोलियम पदार्थों के आयात में ना सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया को कई तरह की परेशानियों और रुकावटों का सामना करना पड़ रहा है। अगर खाड़ी संकट जल्द नहीं थमा तो पहले से ही करीब अस्सी अरब डॉलर सालाना खर्च करने वाले भारत की ऊर्जा क्षेत्र की चुनौतियां और बढ़ सकती हैं। पेट्रोलियम कारोबार पर निगाह रखने वाले वैश्विक संस्थानों को आशंका है कि अगर ईरान-इजरायल-अमेरिका युद्ध लंबा खिंचा और इससे कच्चे तेल की कीमतों में प्रति बैरल दस डॉलर की भी बढ़ोतरी हुई तो भारत का पेट्रोलियम आयात खर्च पंद्रह हजार करोड़ डॉलर सालाना बढ़ सकता है। पेट्रोलियम आयात पर होने वाली इस बढ़ोतरी के चलते भारत पर नए सिरे से आर्थिक दबाव बढ़ेगा । ऐसे में जरूरी है कि देश अपनी ऊर्जा जरूरतों को लेकर नए सिरे से विचार करे और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की तलाश की दिशा में ना सिर्फ आगे बढ़े, बल्कि शोध और विकास पर भी जोर लगाए।

खाड़ी संकट के बाद सिर्फ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को इस दिशा में सोचने को मजबूर किया है। तमाम देश वैचारिक स्तर पर पेट्रोलियम पदार्थों के विकल्पों की खोज में जुटने लगे हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर दुनिया का बढ़ता ध्यान इसी बदलते सोच का प्रतीक है। चीन ने इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने पर पिछले कुछ वर्षों में इतना जोर दिया है कि वहां एक तरह से इलेक्ट्रिक वाहन क्रांति ही आ गई है। भारत ने साल 2030 तक कुल वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहनों की हिस्सेदारी तीस प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। ईरान संकट के पहले से ही इलेक्ट्रिक वाहनों के चलन को बढ़ावा देने की सरकारी कोशिशों से सालाना पेट्रोलियम आयात में करीब 25 हजार करोड़ की बचत होने लगी है। लेकिन जिस तरह पेट्रोलियम उत्पादक खाड़ी के क्षेत्र में हालात बदल रहे हैं, उससे देश को पेट्रोलियम के विकल्प ढूंढने की दिशा में तेजी लाने और इस सिलसिले में शोध और विकास को भी गति देने की जरूरत बढ़ी है। ऐसा किए बिना देश के लिए पेट्रोल और डीजल के आयात के लिए विदेशी मुद्रा के भारी खर्च पर लगाम लगाना आसान होगा।

भारत के संदर्भ में देखें, तो रसोई गैस के मोर्चे में देश ने पिछले दस वर्षों में बड़ी क्रांति को देखा है। देश के रसोई घरों में पीएनजी यानी पाइप्ड नेचुरल गैस और एलपीजी यानी लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस की खपत बढ़ी है। मौजूदा आंकड़ों के अनुसार, देश में प्राकृतिक गैस की रोजाना खपत करीब 189 मिलियन घन मीटर है। लेकिन घरेलू उत्पादन महज 97.5 मिलियन घन मीटर रोजाना ही है। करीब साठ फीसद गैस बाहर से आयात ही करना पड़ता है। देश में करीब 33 लाख एलपीजी कनेक्शन हैं। इनमें दस लाख 33 हजार कनेक्शन प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत दिए गए हैं। इन कनेक्शनों पर सालाना 312 लाख टन गैस खर्च होती है। इस खर्च होने वाली गैस का साठ फीसद हिस्सा आयात किया जाता है। जाहिर है कि देश का बड़ा गैस खर्च भी आयात पर ही निर्भर है। इसमें दो राय नहीं कि आधुनिक दुनिया की ऊर्जा का सबसे बड़ा स्रोत पेट्रोलियम पदार्थ ही है, जिसमें डीजल, पेट्रोल और गैस तीनों ही शामिल हैं। भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार देश की ऊर्जा स्रोत के रूप में सबसे ज्यादा खपत डीजल की है, जो कुल पेट्रोलियम खर्च का करीब करीब 38.5 फीसद है। इसके बाद पेट्रोल का नंबर आता है, जिसकी कुल ऊर्जा स्रोत के खपत में करीब 18 प्रतिशत की भागीदारी है, जबकि तीसरे नंबर पर करीब चौदह फीसद हिस्सेदारी के साथ प्राकृतिक गैस है।

टीबी उन्मूलन की दिशा में भारत के सशक्त प्रयासों से बढ़ती उम्मीदें

टीबी जैसी गंभीर बीमारी 21वीं सदी में सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। आज इसके प्रभावी इलाज उपलब्ध होने के बावजूद लोग इसके लक्षणों (दो सप्ताह से अधिक खांसी, खांसी में खून आना, लगातार बुखार, रात में पसीना आना, तेजी से वजन घटना, भूख कम लगना, सीने में दर्द और सांस फूलना इत्यादि) को अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं और अपने दैनिक कार्यों में लगे रहते हैं। इसके साथ ही, आज भी समाज में टीबी को लेकर कलंक बना हुआ है।

(डॉ. ब्रह्मानंद राजपूत)

नई तकनीक को तेजी से अपनाने, सेवाओं को लोगों के पास तक पहुँचाने (डीसेंट्रलाइजेशन) और बड़े स्तर पर जनभागीदारी के कारण भारत में टीबी मरीजों की पहचान और इलाज में काफी सुधार हुआ है। 2015 में जहाँ केवल 53 प्रतिशत मरीज इलाज तक पहुँच पाते थे, वहीं 2024 में यह बढ़कर 92 प्रतिशत से ज्यादा हो गया है।

हर साल, हम 24 मार्च को विश्व क्षय रोग दिवस मनाते है। यह कार्यक्रम 24 मार्च 1882 की तारीख को याद करने का दिन है जब जर्मन फिजिशियन डॉ. रॉबर्ट कोच ने माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक जीवाणु की खोज की थी, यह जीवाणु तपेदिक/क्षय रोग (टीबी) का कारण बनता है। माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की खोज हो जाने से टीबी के निदान और इलाज में बहुत आसानी हुई। जर्मन फिजिशियन रॉबर्ट कोच को इस खोज के लिए उन्हें 1905 में नोबेल पुरस्कार दिया गया। यही कारण है कि हर वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन टीबी के सामाजिक, आर्थिक और सेहत के लिए हानिकारक नतीजों पर दुनिया में जन-जागरूकता फैलाने और दुनिया से टीबी के खात्मे की कोशिशों में तेजी लाने के लिए विश्व क्षय रोग दिवस मनाता आ रहा है। माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस की खोज के सौ साल बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने पहली बार 24 मार्च 1982 को विश्व क्षय रोग दिवस शुरू मनाने की शुरुआत की, तभी से हर साल 24 मार्च को विश्व क्षय रोग दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है।

टीबी जैसी गंभीर बीमारी 21वीं सदी में सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है। आज इसके प्रभावी इलाज उपलब्ध होने के बावजूद लोग इसके लक्षणों (दो सप्ताह से अधिक खांसी, खांसी में खून आना, लगातार बुखार, रात में पसीना आना, तेजी से वजन घटना, भूख कम लगना, सीने में दर्द और सांस फूलना इत्यादि) को अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं और अपने दैनिक कार्यों में लगे रहते हैं। इसके साथ ही, आज भी समाज में टीबी को लेकर कलंक बना हुआ है। कई लोग इस डर से जांच कराने से बचते हैं कि कहीं उनकी बीमारी का पता चलने पर सामाजिक बहिष्कार का सामना न करना पड़े। यही सामाजिक धारणा टीबी नियंत्रण और उन्मूलन की राह में एक बड़ी बाधा है और इसके कारण भारत देश में मामलों की

संख्या अधिक बनी रहती है। ऐसे में सबसे अधिक आवश्यकता है व्यापक जन-जागरूकता की, ताकि लोगों को यह समझाया जा सके कि टीबी कोई लाइलाज बीमारी नहीं है और इसका पूरा उपचार संभव है। भारत सरकार द्वारा देशभर में चलाए जा रहे विभिन्न प्रभावी अभियानों के सकारात्मक परिणाम अब जमीन पर दिखने लगे हैं, जो इस दिशा में उम्मीद की किरण प्रस्तुत करते हैं।

क्षयरोग उन्मूलन की दिशा में भारत की टीबी मुक्त भारत के नाम समर्पित यात्रा को वैश्विक स्तर पर मान्यता मिली है, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की वैश्विक टीबी रिपोर्ट 2025 के अनुसार भारत देश ने 2015 से 2024 तक क्षय रोग (टीबी) के मामलों में उल्लेखनीय 21 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है, यह दर वैश्विक औसत गिरावट 12 प्रतिशत की लगभग दोगुनी है। साल 2015 में प्रति एक लाख की जनसंख्या पर 237 लोगों को ये बीमारी थी जो 2024 में 21 प्रतिशत घटकर प्रति एक लाख की जनसंख्या पर 187 हो गई है। यह वैश्विक स्तर पर टीबी मामलों में दर्ज की गई सबसे बड़ी गिरावटों में से एक है, जो अन्य टीबी के उच्च-भार वाले देशों में देखी गई कमी से भी अधिक प्रभावशाली है। हालांकि ये आंकड़े अब भी देश से टीबी के उन्मूलन के लक्ष्य से काफी दूर हैं। टीबी से होने वाली मौतों में भी भारत देश में लगभग 25 प्रतिशत की कमी आई है, जो 2015 में प्रति लाख जनसंख्या पर 28 से घटकर 2024 में प्रति लाख जनसंख्या पर 21 हो गई है। यह टीबी से होने वाली मौतों को कम करने में हुई उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाता है, जो सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता और प्रभावी नीतियों के परिणामस्वरूप संभव हो सकी है। देश में इस रोग की रोकथाम के लिए किए गए प्रयास के अच्छे परिणाम देखने को मिल रहे हैं।

नई तकनीक को तेजी से अपनाने, सेवाओं को लोगों के पास तक पहुँचाने (डीसेंट्रलाइजेशन) और बड़े स्तर पर जनभागीदारी के कारण भारत में टीबी मरीजों की पहचान और इलाज में काफी सुधार हुआ है। 2015 में जहाँ केवल 53 प्रतिशत मरीज इलाज तक पहुँच पाते थे, वहीं 2024 में यह बढ़कर 92 प्रतिशत से ज्यादा हो गया है। 2024 में करीब 26.18 लाख मरीजों की पहचान होने का अनुमान है, जबकि कुल अनुमानित मामले लगभग 27 लाख हैं। इसका मतलब है कि पहले जो मिसिंग केस यानी ऐसे मरीज जो टीबी से ग्रसित थे लेकिन सरकारी रिकॉर्ड में नहीं आते थे, उनकी संख्या 2015 में लगभग 15 लाख थी, जो अब घटकर 2024 में एक लाख से भी कम रह गई है। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत इलाज की सफलता दर बढ़कर लगभग 90 प्रतिशत हो गई है, जो दुनिया के औसत 88 प्रतिशत से भी बेहतर है। हमारे भारत देश में पूरे विश्व की तुलना में सबसे ज्यादा टीबी मरीजों की संख्या है। भारत देश का लगभग 26 प्रतिशत टीबी बीमारी के मामलों में पूरे विश्व में योगदान है। आज के समय पर दवा-प्रतिरोधी टीबी बड़ी चिंता का विषय है, जिसमें वैश्विक मामलों का लगभग 32 प्रतिशत हिस्सा भारत से आता है। यह स्थिति दर्शाती है कि भारत में दवा-प्रतिरोधी टीबी की रोकथाम और प्रभावी उपचार एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। हालांकि भारत देश में ड्रग रेजिस्टेंस टीबी के मरीजों की उपचार सफलता दर जो साल 2020 में 68 प्रतिशत थी वह 2024 में 77 प्रतिशत हो गई है जो कि बहुत महत्वपूर्ण है। अगर टीबी मरीज को सही समय पर इलाज नहीं मिलता है तो एक सक्रिय टीबी मरीज साल में कम से कम 10-15 नए मरीज पैदा करता है। ड्रग रेजिस्टेंट टीबी मरीज से होने वाला संक्रमण भी ड्रग रेजिस्टेंट ही होता है जो कि एक चुनौतीपूर्ण स्थिति होती है। इसलिए जरूरी है कि ड्रग रेजिस्टेंट टीबी मरीजों की विशेष निगरानी की जानी चाहिए और उनके संपर्क में रहने वाले लोगों की भी प्राथमिकता के आधार पर जांच करायी जानी चाहिए, जिससे कि ड्रग रेजिस्टेंट टीबी मरीज दूसरे ड्रग रेजिस्टेंट मरीज पैदा नहीं कर सकें।

आम आदमी पार्टी का सदस्यता अभियान तेज गेड़ापाड़ के ग्रामीणों ने थामा पार्टी का दामन

कोंटा। आम आदमी पार्टी द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान के तहत कोंटा ब्लॉक में संगठन को मजबूती मिलती दिखाई दे रही है। इसी क्रम में पार्टी की टीम इंजरम पंचायत के गेड़ापाड़ गांव पहुंची, जहां ग्रामीणों से जनसंपर्क कर उनकी समस्याओं पर चर्चा की गई। जनसंवाद के दौरान स्थानीय लोगों ने गांव की विभिन्न समस्याओं से पार्टी पदाधिकारियों को अवगत कराया। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में आंगनबाड़ी केंद्र की व्यवस्था नहीं है, पीने के पानी की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं है तथा उप स्वास्थ्य केंद्र जैसी आवश्यक सेवाएं भी नदारद हैं। इसके अलावा तालाब खुदाई कार्य में मजदूरी राशि के गबन का भी आरोप लगाया गया। ग्रामीणों ने इन समस्याओं के समाधान की मांग करते हुए जनप्रतिनिधियों से ध्यान देने की अपील की। पार्टी प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित मुद्दों को उच्च स्तर पर उठाया जाएगा और समाधान के लिए प्रयास किया जाएगा।

पार्टी ने कहा कि क्षेत्र में विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति सामने आई है और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की जाएगी।

कोंटा ब्लॉक अस्पताल के जीर्णोद्धार में अनियमितताओं का आरोप, आम आदमी पार्टी ने उच्च स्तरीय जांच की मांग

कोंटा। आम आदमी पार्टी जिला मोर्चा अध्यक्ष हसनेन रजा एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने कोंटा ब्लॉक अस्पताल का निरीक्षण किया, जिसमें अस्पताल भवन के जीर्णोद्धार कार्य में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए। लगभग 78 लाख रुपये की लागत से किए गए निर्माण कार्य को लेकर टीम ने कहा कि पुराने एवं जर्जर भवन के ऊपर ही निर्माण किया गया है, जो तकनीकी मानकों के विरुद्ध और खतरनाक है। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य की गुणवत्ता में कमी तथा निर्धारित मापदंडों की अनदेखी भी पाई गई, जिससे सरकारी राशि के दुरुपयोग की आशंका जताई गई। निरीक्षण के दौरान युथ अध्यक्ष हसनेन रजा ने कड़ी निंदा करते हुए कहा कि मरीज इलाज के लिए अस्पताल पहुंचते हैं, लेकिन भवन की वर्तमान स्थिति खतरे से खाली नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि समय रहते सुधार नहीं किया गया तो भवन ढहने की आशंका से मरीजों, कर्मचारियों और आम नागरिकों की जान जोखिम में पड़ सकती है। उन्होंने इसे गंभीर लापरवाही बताते हुए कहा कि यह सीधे तौर पर लोगों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है।

आम आदमी पार्टी ने मामले की निष्पक्ष एवं उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। पार्टी ने दोषी ठेकेदार और संबंधित इंजीनियरों पर सख्त कार्रवाई, निर्माण कार्य की तकनीकी जांच तथा भवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही भविष्य में ऐसी लापरवाही रोकने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की बात कही गई है। पार्टी ने प्रशासन से जनहित को ध्यान में रखते हुए जल्द कार्रवाई करने की अपेक्षा जताई है।

युवती पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाला आरोपी धमतरी से हुआ गिरफ्तार

केशकाल। केशकाल थाना क्षेत्र में एक युवती पर चाकू से प्राणघातक हमला करने के मामले में पुलिस ने फरार आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। आरोपी की पहचान लकी सिंह उर्फ उरवानुष भेलवा (निवासी सोरिद डिपोपारा, जिला धमतरी) के रूप में हुई है। थाना प्रभारी उप. निरी. गुलाब टंडन से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को सूचना मिली कि चाकू से घायल एक युवती को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केशकाल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर पुलिस टीम अस्पताल पहुंची और घायल युवती से पूछताछ की। पीड़िता ने बताया कि वह पहले आरोपी लकी से बातचीत करती थी, लेकिन परिजनों के मना करने पर उसने उससे संपर्क बंद कर दिया था। घटना की रात करीब 9:30 बजे जब वह गांधी मार्ट से काम कर घर लौट रही थी, तभी शाहिद हनफी की मुर्गी दुकान के पास आरोपी ने अचानक रास्ता रोक लिया और बातचीत बंद करने को लेकर नाराजगी जताते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी ने अपने पास रखे चाकू से युवती के सीने पर हमला कर दिया। बचाव के दौरान चाकू उसके बाएं हाथ और जांघ पर लगा। घायल अवस्था में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सुसंगत धाराओं में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की। घटना के बाद से आरोपी फरार था, जिसकी तलाश के लिए थाना केशकाल पुलिस एवं साइबर टीम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे थे। पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के निर्देश तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कपिल चंद्रा एवं एसडीओपी अरुण कुमार नेताम के मार्गदर्शन में टीम ने आरोपी को धमतरी से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया, जिसके बाद 29 मार्च 2026 को उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक गुलाब टंडन, सहायक उपनिरीक्षक सुरेश मरकाम, आरक्षक कमलेश कंवर, दीपक ध्रुव, रामेश्वर देहारी सहित साइबर टीम के प्रभारी निरीक्षक सौरभ उपाध्याय, प्रधान आरक्षक अजय बघेल एवं आरक्षक संतोष कोडोपी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सौगात : सूदूरवर्ती ग्राम कलेपाल में आजादी के बाद पहली बार बनेगी पक्की सड़क, विधायक ने किया भूमिपूजन

केशकाल । आजादी के बाद पहली बार केशकाल विकासखंड के सुदूरवर्ती ग्राम कलेपाल को डामरीकृत सड़क की सौगात मिली है। जिससे पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है और लोग इसे अपने जीवन में बड़े बदलाव की शुरुआत मान रहे हैं। दरअसल, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कलेपाल से पराली तक लगभग 1.95 किलोमीटर लंबी डामरीकृत सड़क का निर्माण किया जाएगा। इस बहुप्रतीक्षित सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन रविवार को केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम के हाथों संपन्न हुआ। सालों से सड़क सुविधा से वंचित रहे ग्रामीणों के लिए यह किसी सपने के सच होने जैसा है। कच्चे रास्तों और कठिन सफर के कारण विकास यहां तक नहीं पहुंच पा रहा था, लेकिन अब पक्की सड़क बनने से हालात बदलने की उम्मीद जगी है।

सुदूर गांवों तक सड़कों का नेटवर्क हमारी प्राथमिकता : विधायक

विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा कि लंबे समय से कलेपाल और आसपास के ग्रामीणों की मांग थी कि क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाया जाए। उन्होंने कहा कि बस्तर में नक्सलवाद के कमजोर पड़ने के साथ अब विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। केंद्र और राज्य सरकार मिलकर बस्तर में विकास की नई लकीर खींच रही है। इसी कड़ी में केशकाल विधानसभा के सुदूर गांवों को सड़क नेटवर्क से जोड़ना उनकी प्राथमिकता है, ताकि ग्रामीणों को ब्लॉक और जिला मुख्यालय तक पहुंचने में आसानी हो और शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली-पानी जैसी सुविधाएं गांव तक पहुंच सकें।

सड़क के अभाव से वंचित युवाओं मिलेगी नई राह

गांव के एक युवक ने बताया कि सड़क नहीं होने के कारण उसने पांच साल पहले ही दसवीं के बाद पढ़ाई छोड़ दी थी, क्योंकि समय पर शहर पहुंचना संभव नहीं था। लेकिन अब सड़क बनने से गांव के युवा आगे की पढ़ाई आसानी से कर सकेंगे और उनके भविष्य के रास्ते खुलेंगे। इस सड़क के बनने से कांकेर, कोंडागांव और नारायणपुर जैसे जिलों तक पहुंचना आसान होगा और गांव में विकास की रफ्तार तेज होगी। ग्रामीणों ने इस सौगात के लिए विधायक नीलकंठ टेकाम का आभार जताया है। आजादी के दशकों बाद मिली इस सड़क से अब कलेपाल के लोगों को नई उम्मीद और बेहतर भविष्य की राह नजर आने लगी है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुना प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' का 132वां संस्करण

किरंदुल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 132वां संस्करण प्रसारित हुआ। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी मंडल किरंदुल के कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से इस कार्यक्रम को देखा और सुना जिसमें उन्होंने देश की प्रगति, जन-भागीदारी और स्थानीय प्रयासों की सराहना की। मोदी ने वैश्विक युद्धों से उपजे ऊर्जा संकट पर चर्चा करते हुए कहा कि इजराइल ईरान संघर्ष के कारण पेट्रोल डीजल की चुनौतियां बढ़ी हैं, लेकिन भारत अपनी मजबूती से इसका डटकर मुकाबला कर रहा है। उन्होंने देशवासियों से अफवाहों से बचने और केवल सरकारी जानकारी पर भरोसा करने की अपील की, साथ ही जम्मू-कश्मीर की टीम द्वारा 70 साल बाद पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने, वाराणसी में बने वृक्षारोपण के रिकॉर्ड और जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी प्रकाश डाला। मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी पूर्व मंडल महामंत्री संजीव दास ने कहा कि 'मन की बात' केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश की सकारात्मकता को साझा करने का एक सशक्त माध्यम है इसे हर नागरिक को देखना चाहिए। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय सोढ़ी पूर्व मंडल महामंत्री संजीव दास मंडल उपाध्यक्ष सदानंद साहू मंडल मंत्री सरस्वती ढहेरिया मंत्री बनमाली हरिजन संजय शाह निताई पाल आदि मौजूद थे।

सुकमा के तुमालपाड़ में सीआरपीएफ का सिविक एक्शन प्रोग्राम, 500 से अधिक ग्रामीण लाभान्वित

सुकमा । सुकमा जिले के दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्र तुमालपाड़ में 226वीं बटालियन द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आईजी शालिन के निर्देश और डीआईजी (ऑप्स) आनंद सिंह राजपुरोहित के मार्गदर्शन में कमांडर टाइगर एच.पी. सिंह के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना और सुरक्षा बलों के प्रति विश्वास व सहयोग बढ़ाना रहा। इसमें सरपंगुड़ा, जब्बागट्टा, चित्राबोड़केल, तुमालपाड़, जोनागुड़ा और अलीगुड़ा समेत आसपास के गांवों के 500 से अधिक ग्रामीण शामिल हुए। इस दौरान शैक्षणिक सामग्री, सोलर लैंप, जल टैंक, खेल सामग्री, घरेलू उपयोग के बर्तन, कपड़े, कंबल और मच्छरदानी वितरित किए गए। साथ ही साइकिल, सिलाई मशीन और कृषि उपकरण जैसे आजीविका से जुड़े सामान भी दिए गए। कार्यक्रम के तहत चिकित्सा शिविर आयोजित कर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और दवाइयां वितरित की गईं। समापन पर सभी ग्रामीणों को भोजन भी कराया गया। कमांडर टाइगर एच.पी. सिंह और सहायक कमांडेंट अनुपम ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों का उद्देश्य ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार, शिक्षा को बढ़ावा और उन्हें भटकाव से दूर रखना है। ग्रामीणों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए सुरक्षा बलों के प्रति आभार जताया।

आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर निगरानी के लिए दंतेवाड़ा में नियंत्रण कक्ष स्थापित

दंतेवाड़ा। कार्यालय कलेक्टर (खाद्य शाखा) से प्राप्त विज्ञप्ति अनुसार जिले में एलपीजी, डीजल, पेट्रोल एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता एवं आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की है। कार्यालय संचालक, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, संचालनालय अटल नगर नवा रायपुर के निर्देशानुसार खाद्य विभाग द्वारा दंतेवाड़ा में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। इस नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नंबर 07856-299442 निर्धारित किया गया है तथा इसके लिए मनोज कुमार सारथी, सहायक खाद्य अधिकारी, दंतेवाड़ा को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनके नेतृत्व में विकासखंड स्तर पर राजस्व एवं खाद्य विभाग के अधिकारियों की संयुक्त समितियाँ गठित की गई हैं, जो जिले के दंतेवाड़ा, गीदम, कुआकोण्डा एवं कटेकल्याण विकासखंडों में कार्य करेंगी।

जिले में एलपीजी गैस सिलेंडर एवं पेट्रोल-डीजल का पर्याप्त स्टॉक, अफवाहों से दूर रहने की अपील

दंतेवाड़ा। कार्यालय कलेक्टर (खाद्य शाखा) से प्राप्त विज्ञप्ति अनुसार जिले में एलपीजी गैस सिलेंडर तथा पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित है। वर्तमान में जिले में कुल 9 गैस एजेंसियां एवं 18 पेट्रोल पम्प संचालित हैं, जहां आवश्यक मात्रा में ईंधन का भंडारण मौजूद है। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि किसी प्रकार की कमी नहीं है और आपूर्ति पूरी तरह से नियमित एवं सुचारू रूप से जारी है। उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर की नियमित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए बुकिंग की समय-सीमा भी निर्धारित की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों एवं प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के हितग्राहियों के लिए गैस सिलेंडर बुकिंग हेतु 45 दिन तथा शहरी उपभोक्ताओं के लिए 25 दिन का अंतराल तय किया गया है। प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और पैनिक बुकिंग से बचें। घरेलू गैस सिलेंडर के व्यावसायिक दुरुपयोग, कालाबाजारी एवं जमाखोरी की रोकथाम के लिए जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। उपभोक्ता अपनी समस्याओं एवं शिकायतों के समाधान के लिए दूरभाष नंबर 07856-252412 पर संपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा राज्य स्तर पर भी नियंत्रण कक्ष संचालित है, जिसका टोल फ्री नंबर 18002333663 है। प्रशासन द्वारा सतत निगरानी के लिए खाद्य एवं राजस्व विभाग की विकासखंडवार टीमों का गठन किया गया है। अब तक की कार्रवाई में घरेलू गैस के व्यावसायिक दुरुपयोग के मामलों में 4 प्रतिष्ठानों से 6 गैस सिलेंडर जब्त किए गए हैं। साथ ही, ऑयल कंपनियों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित कर जिले में एलपीजी गैस एवं पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति सुचारू बनाए रखी जा रही है। जिला प्रशासन ने पुनः आमजन से अपील की है कि वे अफवाहों से दूर रहें और किसी भी समस्या की स्थिति में नियंत्रण कक्ष से संपर्क कर सही जानकारी प्राप्त करें।

आर्सेलर मित्तल कंपनी पर वादाखिलाफी का आरोप शबरी नदी से अतिरिक्त जल लेने का कड़ा विरोध

सुकमा। छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में औद्योगिक विकास और स्थानीय अधिकारों के बीच एक नया विवाद खड़ा हो गया है। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष सुकमा निवासी कृष्ण प्रकाश सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर आर्सेलर मित्तल प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में एस्सार स्टील लिमिटेड) पर विकास कार्यों के वादों को पूरा न करने और शबरी नदी से अतिरिक्त जल लेने की कोशिश का गंभीर आरोप लगाया है।

36 करोड़ की राशि बकाया होने का दावा - उन्होंने कहा कि कंपनी ने दंतेवाड़ा जिला प्रशासन के साथ हुए समझौते के तहत प्रतिवर्ष 3 करोड़ विकास कार्यों के लिए देने का वादा किया था। 20 वर्षों के आधार पर यह राशि 60 करोड़ होनी चाहिए थी, लेकिन आरोप है कि कंपनी ने अब तक केवल 24 करोड़ ही दिए हैं। शेष 36 करोड़ की राशि अब भी लंबित है, जिसे स्पष्ट रूप से 'वचनभंग' की श्रेणी में बताया गया है।

विकास के वादे कागजों तक सीमित - चौहान ने बताया कि 2004 में औद्योगिक जल आपूर्ति के बदले कंपनी ने प्रभावित क्षेत्रों में कई सामाजिक विकास कार्यों का वादा किया था, जिनमें शामिल थे- स्थानीय क्षेत्रों में स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना। अस्पतालों और चिकित्सा सुविधाओं की व्यवस्था। ग्रामीणों के लिए पेयजल और बुनियादी ढांचा। इन वादों के पूरा न होने के कारण स्थानीय लोगों की एक पूरी पीढ़ी का भविष्य प्रभावित हुआ है, जिसकी भरपाई असंभव है।

शबरी नदी के जल पर गहराता संकट- विवाद का एक अन्य मुख्य केंद्र शबरी नदी से अतिरिक्त जल की मांग भी है। चौहान ने यह भी कहा कि सुकमा जिले की इस नदी पर स्थानीय किसान और ग्रामीण पूरी तरह निर्भर हैं। बिना ग्राम सभा की सहमति और स्थानीय जनता से परामर्श किए कंपनी को जल दोहन की अनुमति देना जनहित के विरुद्ध होगा।

प्रशासन से की गई ये माँगें - साथ ही चौहान ने किसानों एवं सुकमा के ग्रामीणों के हित में कहा कि कंपनी द्वारा किए गए वादों और एग्रीमेंट की निष्पक्ष जाँच हो। लंबित विकास राशि (36 करोड़ रुपए) की शीघ्र वसूली सुनिश्चित की जाए। शबरी नदी से जल स्वीकृति से पूर्व सुकमा में नई ग्राम सभा का आयोजन कर जनता की सहमति ली जाए। औद्योगिक जल आपूर्ति के बजाय पाइपलाइन के माध्यम से स्थानीय पेयजल आपूर्ति में वृद्धि की जाए। उन्होंने कहा कि इस विषय में मैंने सभी जिम्मेदारों को पत्र लिखा है साथ ही यह पत्र मुख्यमंत्री कार्यालय, जल संसाधन मंत्री, प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को भी प्रतिलिपि के रूप में भेजा गया है।

किसानों के हित में शबरी नदी में पाँच स्थानों पर बने डेम - साथ ही उन्होंने कहा कि सुकमा के किसानों के विकास के लिए सबसे ज्यादा पानी की आवश्यकता है जो शबरी नदी में 5 स्थानों छिंदगढ़, केरलापाल, दोरनापाल, सुकमा एवं कोंटा में डेम बना कर आपूर्ति की जा सकती है जिसे बारिश में खोल दिया जावे व ग्रीष्म काल उसका उपयोग हो उन्होंने कहा कि डेम बेड लेबल में बनाया जाए जिससे पानी से खेतों में जल भराव न हो व आवश्यकता के वक्त उसका उपयोग हो एवं डेम होने कारण सभी सहायक नदियाँ हमेशा पानी से भरी रहेंगी जिसका ग्रामीण स्तर पर उपयोग कर भरपूर फसल लिया जा सकता है। और शबरी नदी में डेम बनाने के लिए आर्सेलर मित्तल पर सरकार के द्वारा दबाव बनाया जाए क्योंकि यहीं के लोहा यहां के पानी का भरपूर दोहन आर्सेलर मित्तल के द्वारा ही किया जा रहा है व पूर्व में हुए अनुबंध के बाद भी यह कम्पनी किसी भी बिंदु पर कार्य नहीं कर रही है न ही सुकमा व दंतेवाड़ा एवं बस्तर संभाग को पर्याप्त रोजगार दिया है। पूर्व में अनुबंध के बाद भी आपने कितने लोगों को प्रशिक्षित किया है यह किसी को पता नहीं है। अब देखना है कि शासन इस पर क्या कार्यवाही करती है।

भांसी के पास दर्दनाक सड़क हादसा अर्टिका कार अनियंत्रित होकर पलटी

किरंदुल। दंतेवाड़ा जिले के भांसी थाना क्षेत्र अंतर्गत घुरली क्रेशर प्लांट के पास एक भीषण सड़क हादसा हुआ। रायपुर से किरंदुल जा रही अर्टिका कार अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई।कार में कुल 8 लोग सवार थे, जिनमें 3 महिलाएं, 2 पुरुष और 3 बच्चे शामिल हैं। हादसे में सभी लोग घायल हुए हैं, जबकि वाहन में सवार अनिता राय,जूली कर्मकार, सोनाली जैन, प्रतीक जैन और 04 माह की बच्ची नवीशा जैन को गंभीर चोटें आई हैं। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद रायपुर रेफर कर दिया गया। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार गंभीर रूप से घायल अनिता राय को बालाजी अस्पताल एवं अन्यों को रामकृष्ण केयर अस्पताल में ईलाज चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

कला और कलाकारों के प्रोत्साहन के प्रति छत्तीसगढ़ सरकार प्रतिबद्धः पद्मश्री भारती बंधु

बिलासपुर। भारतीय भक्ति संगीत जगत के ख्यातिप्राप्त गायक पद्मश्री भारती बंधु ने कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार कला और कलाकारों के संरक्षण एवं प्रोत्साहन के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के संस्कृति विभाग द्वारा समय-समय पर आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक महोत्सव कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए सशक्त मंच प्रदान कर रहे हैं, जिससे लोक कला एवं परंपराओं को नई ऊर्जा मिल रही है। पद्मश्री भारती बंधु जिला प्रशासन के आमंत्रण पर मल्हार महोत्सव में अपनी प्रस्तुति देने बिलासपुर पहूंचे थे। पद्मश्री भारती बंधु ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में कला और संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रसार के लिए सार्थक पहल की जा रही है। इन प्रयासों के कारण प्रदेश के कलाकारों में उत्साह का वातावरण बना है और युवा पीढ़ी भी पारंपरिक कला विधाओं और संस्कृति से जुड़ने के लिए प्रेरित हो रही है। छत्तीसगढ़ भवन में चर्चा के दौरान उन्होंने मल्हार महोत्सव के पुनः भव्य और जीवंत स्वरूप में आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल कलाकारों को मंच मिलता है, बल्कि स्थानीय संस्कृति को भी व्यापक पहचान मिलती है। उन्होंने इस गरिमामयी आयोजन के लिए मुख्यमंत्री और आमंत्रण के लिए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। भजन गायकी की अपनी विशिष्ट और पारंपरिक शैली पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि वे इस विधा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उनके द्वारा अब तक 10,000 से अधिक युवाओं को भजन गायन का प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जो इस परंपरा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि प्रख्यात भजन गायक भारती बंधु को भारत सरकार द्वारा चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। भारती बंधु ने देश-विदेश के विभिन्न प्रतिष्ठित मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व कर देश का मान बढ़ाया है। उनकी प्रस्तुतियां न केवल आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करती हैं, बल्कि श्रोताओं के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और प्रेरणा का भी संचार करती हैं। पद्मश्री भारती बंधु ने यह भी बताया कि उन्होंने देशभर की अनेक जेलों में बंदियों के समक्ष भजन प्रस्तुतियां दी हैं, जिनका प्रभाव बंदियों पर बेहद सकारात्मक रहा है। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से बंदियों के जीवन में आत्मचिंतन, सुधार और नई दिशा की चेतना उत्पन्न हुई है। उन्होंने कहा कि कला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, संस्कारों को सहेजने और सकारात्मक परिवर्तन लाने का सशक्त माध्यम है, और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में इसके संरक्षण हेतु मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किए जा रहे प्रयास सराहनीय है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भर्ती दावा आपत्ति 4 अप्रैल तक

बिलासपुर। एकीकृत बाल विकास परियोजना सरकण्डा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 43 के आंगनबाड़ी केंद्र देवरीखुर्द 04 में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता की पदपूर्ति पदोन्नति प्रक्रिया के तहत की जानी है। पदपूर्ति हेतु अंनतिम मूल्यांकन पत्र जारी किया गया है। दावा आपत्ति 4 अप्रैल तक सप्रमाण कार्यालय एकीकृत बाल विकास परियोजना सरकण्डा में प्रस्तुत किये जा सकते है।

बर्ड फ्लू अलर्ट के बीच मुर्गी चूजों की खेप की जांच,नहीं मिला संक्रमण

बिलासपुर। जिले के शासकीय कुकुट फार्म कोनी में 24 मार्च को बर्ड फ्लू की पुष्टि के बाद प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और एहतियात के तौर पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में मुर्गी एवं उससे संबंधित सामग्री की लगातार जांच की जा रही है। यह कार्रवाई विभाग की रैपिड रिस्पांस टीम द्वारा की जा रही है। इसी बीच कुछ स्थानीय मीडिया में प्रकाशित खबर रेलवे परिसर में दिल्ली से आई मुर्गी चूजों की खेप को लेकर पशु चिकित्सा विभाग ने तथ्य स्पष्ट किए हैं। कलेक्टर के निर्देश पर संबंधित विभाग द्वारा रेलवे अधिकारियों से संपर्क कर पूरी जानकारी प्राप्त की गई। रेलवे मंडल वाणिज्य प्रबंधक के 30 मार्च 2026 के पत्र के अनुसार, दिल्ली से गाड़ी क्रमांक 12442 राजधानी एक्सप्रेस के माध्यम से कुल 17 डिब्बों में चूजे बिलासपुर लाए गए थे, जिन्हें यहां से श्री आकाश नायक द्वारा प्राप्त कर जिला रायगढ़ भेजा गया। प्रशासन द्वारा संबंधित व्यक्ति से फोन पर चर्चा में यह स्पष्ट हुआ कि चूजों को सुरक्षित रूप से रायगढ़ ले जाया गया तथा उनमें किसी भी प्रकार के संक्रामक रोग के लक्षण नहीं पाए गए। प्रशासन ने रेलवे अधिकारियों से चर्चा कर भविष्य में इस प्रकार की खेपों की पूर्व सूचना संबंधित विभाग को देने के निर्देश भी दिए हैं, ताकि सतर्कता और निगरानी बेहतर ढंग से सुनिश्चित की जा सके। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मौजूदगी में राजा रघुराज सिंह स्टेडियम में दिखा जबरदस्त क्रिकेट उत्साह

स्व. लखीराम अग्रवाल टी-20 प्रतियोगिता का रोमांचक समापन

बिलासपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजा रघुराज सिंह स्टेडियम में स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल जी की स्मृति में आयोजित टी-20 ड्यूस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में शामिल हुए। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय लेकर उनका हौसला बढ़ाया और जिले के खेल प्रेमियों को बधाई दी। प्रतियोगिता में देश के 8 राज्यों की टीमों ने भाग लिया। जिसमें कई खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी तथा आईपीएल जैसे बड़े मंचों पर अपना हुनर दिखा चुके हैं। समापन मैच में छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ और खड़गपुर के बीच फाइनल मैच खेला गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में कहा कि स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल जी की स्मृति में आयोजित यह प्रतियोगिता अत्यंत सराहनीय है और उनहोंने स्व. लखीराम अग्रवाल को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल जी से उनका विशेष आत्मीय संबंध रहा है। उन्होंने जीवन भर अद्भुत धैर्य और संघर्ष का परिचय दिया। उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया और समाज सेवा के कार्यों में अपना जीवन समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे राज्यसभा सांसद के रूप में भी लंबे समय तक सक्रिय रहे। आज उनकी स्मृति में आयोजित इस टी-20 प्रतियोगिता में देश के 8 राज्यों से खिलाड़ी भाग ले रहे हैं और 9 दिनों तक चले इस आयोजन ने बिलासपुर के खेल प्रेमियों को एक नया उत्साह दिया है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर के लोग क्रिकेट के प्रति विशेष लगाव रखते हैं और बड़ी संख्या में मैदान में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हैं। उन्होंने प्रदेश में खेलों के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की खेलो इंडिया योजना के तहत प्रदेश में खेल अधोसंरचना और प्रशिक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। अभी हमारा प्रदेश खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की मेजबानी भी कर रहा है। बस्तर ओलंपिक और सरगुजा ओलंपिक जैसे आयोजनों में लाखों खिलाड़ी भाग ले रहे हैं, जो प्रदेश की खेल प्रतिभा को नई दिशा दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने देश के दूसरे और दुनिया के चौथे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण कराया और इसका नाम शहीद वीर नारायण सिंह के नाम पर रखा। यहां इंटरनेशनल क्रिकेट मैच का आनंद दर्शक ले रहे है। राज्य सरकार खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। ओलम्पिक खेलों में भी हमारे बेटे और बेटियां भाग ले इसके लिए हमारी सरकार द्वारा विशेष प्रयास किये जा रहे है। ओलम्पिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 3 करोड़ रुपये, रजत पदक पर 2 करोड़ रुपये और कांस्य पदक पर 1 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही प्रदेश में इंटीग्रेटेड स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी खिलाड़ियों, आयोजकों और खेल प्रेमियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन भविष्य में भी निरंतर होते रहें, यही उनकी कामना है। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि बिलासपुर की पावन धरा पर अटल परिसर का लोकार्पण करते हुए आज हम स्वर्गीय लखीराम अग्रवाल जी को भावपूर्ण स्मरण कर रहे हैं। स्व. लखीराम अग्रवाल के योगदान को शब्दों में व्यक्त करना संभव नहीं है। उन्होंने कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। हम सभी उनके योगदान को गहरे सम्मान के साथ याद करते हैं। एक महान व्यक्ति की सबसे बड़ी पूंजी उसके संस्कार होते हैं। यह हमारे लिए गर्व और प्रसन्नता का विषय है कि काका जी द्वारा सेवा और समर्पण के जो दीप जलाए गए थे, उन्हें आज उनकी अगली पीढ़ी उसी भावना के साथ आगे बढ़ा रही है। किसी भी पिता के लिए इससे बड़ा सम्मान क्या हो सकता है कि उसकी संतति भी समाज और जनता के बीच उसी समर्पण के साथ कार्य करे।

मार्च माह में सेवानिवृत्त हो रहे मंडल रेल परिवार के 19 सदस्यों को दी गई भावभीनी विदाई........

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के विभिन्न विभागों में कार्यरत 19 रेल परिवार के सदस्य माह मार्च 2026 में अपनी गौरवशाली रेल सेवा पूर्ण करने के पश्चात् सेवानिवृत्त हुये । मंडल कार्मिक सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त हो रहे समस्त कर्मचारियों को ससम्मान विदाई दी गई । इस अवसर पर सहायक कार्मिक अधिकारी श्री रंजन कुमार रुखैयार एवं सहायक कार्मिक अधिकारी श्री भास्कर गुहा द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे कर्मचारियों को बंदोबस्त भुगतान से संबंधित समस्त दस्तावेज,सेवा प्रशस्ति प्रमाण-पत्र एवं सेवा मैडल आदि प्रदान किया गया । इस दौरान मुख्य कार्यालय अधीक्षक (आईटी) श्री सेवक रजक द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उम्मीद कार्ड (मेडिकल) व बंदोबस्त से संबन्धित नियमों से अवगत कराया गया । समारोह में सेवानिवृत्त कर्मियों के परिजन, मंडल कल्याण निरीक्षक एवं कार्मिक निपटारा शाखा के कर्मचारी भी उपस्थित रहे । मंडल के सेवानिवृत्त हो रहे 19 रेल परिवार के सदस्यों में विद्युत विभाग से 06, इंजीनियरिंग विभाग से 06, परिचालन विभाग से 03, मेकेनिकल विभाग से 02 तथा सिग्नल व दूरसंचार विभाग से 02 कर्मचारी शामिल हैं । इस अवसर पर मंडल कार्मिक अधिकारी ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनकी गौरवशाली रेल सेवा के लिए बधाई दी तथा तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु होने की कामना की गई ।

मंडल रेल प्रबंधक राकेश रंजन की अध्यक्षता में बिलासपुर मंडल ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों की अनौपचारिक बैठक संपन्न

बिलासपुर। आज दिनांक 30 मार्च 2026 को मंडल सभाकक्ष में मंडल स्तरीय ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों के साथ अनौपचारिक बैठक आयोजित की गई । बैठक की अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने की 7 बैठक में रेलवे प्रशासन की ओर से अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री जे एस मीना सहित सभी शाखाधिकारी तथा ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे कर्मचारी संगठन बिलासपुर मंडल के अध्यक्ष श्री शिवमंगल, जोनल सचिव श्री प्रभात पासवान एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे । बैठक के दौरान एससी/एसटी रेलवे कर्मचारियों के कल्याण से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत, रचनात्मक एवं सकारात्मक चर्चा की गई। इनमें पेंशन, पदोन्नति, स्थानांतरण, आवास की आवश्यकताएं एवं बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विषय शामिल थे। मंडल रेल प्रबंधक श्री राकेश रंजन ने संगठन के पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। साथ ही उन्होने आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए । रेल प्रशासन ने यह स्पष्ट किया कि कर्मचारियों के हितों, कल्याण एवं कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए विभाग निरंतर प्रतिबद्ध है और इसी भावना के साथ संवाद व सहभागिता की यह प्रक्रिया भविष्य

बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट से शुरू हुई रात्रि उड़ान सेवा,मुख्यमंत्री साय ने भरी पहली रात की उड़ान......

- श्री विष्णुदेव साय ने किया नाइट ऑपरेशन्स का लोकार्पण, रायपुर के लिए रवाना हुए
- 31 करोड़ की लागत से 3 सी आईएफआर अपग्रेड, अब रात में भी उड़ानें संभव

बिलासपुर। बिलासपुर के बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट से आज रात्रि उड़ान सेवा की ऐतिहासिक शुरुआत हो गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने नाइट ऑपरेशन्स का लोकार्पण किया और इसी दौरान स्वयं रात में पहली उड़ान से रायपुर के लिए रवाना हुए। विधायक श्री धर्मजीत सिंह भी मुख्यमंत्री जी के साथ रात्रि कालीन उड़ान में रायपुर गए। उल्लेखनीय है कि एयरपोर्ट को 3 सी वीएफआर से 3 सी आई एफ आर श्रेणी में उन्नत करने के लिए कुल 31 करोड़ 1 लाख रुपए की लागत से कार्य किया गया है। इस उन्नयन के बाद डीजीसीए ने 6 फरवरी 2026 को 3 सी आई एफ आर एवं रात्रि संचालन की अनुमति प्रदान की थी। समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय राज्यमंत्री श्री तोखन साहू ने की। इस अवसर पर विशेष रूप से विधायक श्री धरमलाल कौशिक, श्री अमर अग्रवाल, श्री धर्मजीत सिंह, श्री सुशांत शुक्ला, महापौर पूजा विधानी उपस्थित थी। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में इस उपलब्धि को योजनाकारों, तकनीकी टीम, एयरपोर्ट कर्मियों और स्थानीय प्रशासन के संयुक्त प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि रात्रिकालीन उड़ान सेवा शुरू होने से बिलासपुर की बहुप्रतीक्षित मांग पूरी हो गई है। इसके लिए यहां के जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने काफी संघर्ष किया है। उन्होंने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सुविधा बिलासपुर के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। रात्रि उड़ान सेवा शुरू होने से अब निर्धारित और अनिर्धारित उड़ानों के साथ-साथ आपातकालीन एवं मेडिकल फ्लाइट्स भी रात में संचालित हो सकेंगी, जिससे जीवनरक्षक सेवाएं और अधिक प्रभावी होंगी। बेहतर हवाई संपर्क से व्यापार, पर्यटन और निवेश को बढ़ावा मिलेगा तथा क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने नागरिकों से इस नई सुविधा का अधिकतम लाभ उठाने की अपील करते हुए सभी यात्रियों के लिए सुरक्षित और सुखद यात्रा की कामना की।

भनवारटंक स्टेशन पर अत्याधुनिक टनल संचार प्रणाली की सफल शुरुआत

- रेल सुरंगों में संरक्षा एवं परिचालन दक्षता को मिलेगा नया आयाम

बिलासपुर। रेलवे संरक्षा एवं संचार अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश के कुशल निर्देशन एवं प्रोत्साहन में भनवारटंक (ब्राङ्कउ) स्टेशन पर अत्याधुनिक टनल कम्युनिकेशन सिस्टम की सफलतापूर्वक स्थापना एवं कमीशनिंग की गई है। इस आधुनिक प्रणाली के माध्यम से स्टेशन तथा अप एवं डाउन दोनों सुरंग खंडों के बीच निर्बाध एवं सतत संचार स्थापित हो गया है, जिससे ट्रेन संचालन एवं रखरखाव कार्यों में समन्वय और अधिक प्रभावी होगा। यह प्रणाली उन्नत वीएचएफ (वेरी हाई फ्रिक्वेंसी) तकनीक पर आधारित है, जो कठिन सुरंग वातावरण में भी विश्वसनीय संचार सुनिश्चित करती है, जहां पारंपरिक संचार माध्यम अक्सर बाधित हो जाते हैं। आधुनिक ऑप्टिकल ट्रांसमिशन तकनीक एवं रेडियो फ्रीक्वेंसी वितरण के समन्वय से यह प्रणाली सुरंग की पूरी लंबाई में सुदृढ़ सिग्नल कवरेज प्रदान करती है। प्रणाली के केंद्र में स्टेशन पर स्थापित ऑप्टिकल मास्टर यूनिट (ओएमयू) है, जो सुरंगों में लगाए गए ऑप्टिकल रिमोट यूनिट्स (ओआरयू) से जुड़ी हुई है। ये इकाइयां रेडियो सिग्नलों को ऑप्टिकल सिग्नलों में परिवर्तित कर फाइबर नेटवर्क के माध्यम से संचारित करती हैं तथा पुनः उन्हें रेडियो सिग्नल में बदलकर सुरंग के भीतर प्रसारित करती हैं। साथ ही, लीकी केबल के उपयोग से सुरंग के भीतर निरंतर सिग्नल उपलब्ध रहता है, जिससे हैंडहेल्ड वीएचएफरेडियो के माध्यम से कर्मचारियों को निर्बाध संचार सुविधा प्राप्त होती है। स्थापना कार्य के दौरान ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क बिछाना, एंटीना स्थापना, सुरंगों में रिमोट यूनिट्स का संयोजन तथा निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु यूपीएस सिस्टम की व्यवस्था जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को अत्यंत सावधानीपूर्वक एवं योजनाबद्ध तरीके से पूरा किया गया। दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए ग्राउंडिंग एवं सिस्टम सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया। कमीशनिंग के दौरान ऑप्टिकल लिंक का परीक्षण, सिग्नल गुणवत्ता की जांच, प्रणाली के विभिन्न मानकों का कॉन्फ़िगरेशन तथा बैकअप पावर एवं अलार्म मॉनिटरिंग की व्यापक जांच की गई।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 30,000 करोड़ रूपए से अधिक मूल माल राजस्व अर्जन कर स्थापित की नई उपलब्धि !

भारतीय रेल में सर्वाधिक ऑरिजिनेटिंग फ्रेट रेवेन्यू प्राप्त करने वाला अग्रणी जोन।

बिलासपुर। देश की ऊर्जा एवं औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ आधार प्रदान करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए ?30,000 करोड़ से अधिक का ऑरिजिनेटिंग फ्रेट रेवेन्यू अर्जित किया है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि 28 मार्च 2026 को मात्र 362 दिनों में प्राप्त की गई, जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने पहली बार ?30,000 करोड़ का आंकड़ा पार करते हुए अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। 29 मार्च 2026 तक यह राजस्व बढ़कर ?30,123.26 करोड़ तक पहुँच गया है, जो इसकी निरंतर प्रगति और सुदृढ़ प्रदर्शन को दर्शाता है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने भारतीय रेल के कुल माल राजस्व में लगभग 17.11 प्रतिशत का योगदान दिया है। साथ ही चालू वित्तीय वर्ष में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग ?1015 करोड़ की अतिरिक्त आय अर्जित की गई है, जो लगभग 3.5 प्रतिशत की वृद्धि को इंगित करता है। यह उपलब्धि रेलवे के कुशल प्रबंधन, प्रभावी कार्ययोजना और सतत निगरानी का परिणाम है। अन्य प्रमुख जोनों के साथ तुलना करने पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का प्रदर्शन और भी अधिक प्रभावशाली प्रतीत होता है। उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार, इस अवधि में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने लगभग ?30,123 करोड़ का राजस्व अर्जित कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया है, जबकि पूर्व तटीय रेलवे (ईस्ट कोस्ट रेलवे) ने लगभग ?28,967 करोड़, पूर्व मध्य रेलवे (ईस्ट सेंट्रल रेलवे) ने लगभग ?24,311 करोड़ तथा दक्षिण पूर्व रेलवे (साउथ ईस्ट रेलवे) ने लगभग ?17,794 करोड़ का राजस्व अर्जित किया है। यह तुलनात्मक उपलब्धि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की उत्कृष्ट कार्यक्षमता एवं प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त को दर्शाती है। पिछले वर्षों के प्रदर्शन पर दृष्टि डालने पर स्पष्ट होता है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने निरंतर प्रगति की है। वर्ष 2020-21 में लगभग ?18,128 करोड़ के स्तर से आगे बढ़ते हुए 2021-22 में ?22,943 करोड़, 2022-23 में ?26,581 करोड़, 2023-24 में ?27,794 करोड़ तथा 2024-25 में ?29,372 करोड़ का राजस्व अर्जित किया गया। यह सतत वृद्धि इस बात का प्रमाण है कि रेलवे ने योजनाबद्ध तरीके से अपने संसाधनों का प्रभावी उपयोग किया है। वस्तु-वार प्रदर्शन की दृष्टि से भी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। कोयला परिवहन में वृद्धि के साथ-साथ इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चे माल की ढुलाई में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। लौह अयस्क, सीमेंट और क्लिंकर के परिवहन में भी सकारात्मक प्रगति दर्ज की गई है। विशेष रूप से खाद्यान्न परिवहन में उल्लेखनीय वृद्धि तथा कंटेनर (ब्रङ्कङ्क) ट्रैफिक में अत्यधिक वृद्धि यह दर्शाती है कि रेलवे ने विविध क्षेत्रों में अपने व्यापार का सफल विस्तार किया है।

महावीर जयंती
जैन धर्म का एक महत्वपूर्ण त्योहार

महावीर जयंती जैन धर्म का एक महत्वपूर्ण त्योहार है। बेहद धूमधाम और पारंपरिक तरीके से मनाया जाने वाला यह हर साल चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर मनाई जाती है। भगवान महावीर का जन्म राजा सिद्धार्थ और रानी त्रिशला के घर हुआ था। उनका जन्म 599 ईसा पूर्व में बिहार के कुंडलग्राम में हुआ, हालांकि दिगंबर जैन मानते हैं कि उनका जन्म 615 ईसा पूर्व में हुआ। बचपन में उनका नाम वर्धमान रखा गया। महावीर जयंती के दिन भगवान महावीर की मूर्ति के साथ जूलूस निकाला जाता है और धार्मिक गीत गाए जाते हैं। इस वर्ष भगवान महावीर की 2624वीं जयंती मनाई जाएगी। साल 2026 में महावीर जयंती 31 मार्च को मनाई जाएगी।

महावीर जयंती 2026 तिथि और समय

त्रयोदशी तिथि की शुरुआत– 30 मार्च 2026, सुबह 07:09 बजे

त्रयोदशी तिथि की समाप्ति– 31 मार्च 2026, सुबह 06:55 बजे

महावीर जयंती 2026 का महत्व

महावीर जयंती जैन समुदाय के लिए सबसे महत्वपूर्ण पर्वों में से एक है। इस दिन भगवान महावीर की जयंती को बेहद हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। वे जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे। इन्हों ने धर्म और सत्य के मार्ग का प्रचार किया। महावीर स्वामी ने 30 वर्ष की आयु में सबकुछ छोड़कर आध्यात्मिक मार्ग अपना लिया था। भगवान महावीर ने जीवन जीने के लिए कई महत्वपूर्ण सिद्धांत बताए, जिनमें ये 5 प्रमुख हैं। इन सिद्धांतों का उन्होंने खूब प्रचार-प्रसार किया है।

30 साल में भ्रमण पर निकलें

भगवान महावीर जैन धर्म की नैतिक आधारशिला माने जाते हैं। कहा जाता है कि स्वामी महावीर ने 30 साल उम्र में भ्रमण करना शुरू किया और वो 42 साल की उम्र तक भ्रमण करते रहे। महावीर ने अपने अनुयायियों को असत्य और लालच और सांसारिक वस्तुओं का मोह छोड़ने, हर प्रकार की हत्याएं और हिंसा बंद करने का संदेश दिया था।

भगवान महावीर के सिद्धांत

1. अहिंसा– किसी भी जीव को मन, वचन और कर्म से कष्ट न पहुंचाना।
2. सत्य– हमेशा सच बोलना और झूठ से दूर रहना।
3. अस्तेय – जो वस्तु आपको स्वेच्छा से न दी गई हो, उसे कभी न लेना।
4. ब्रह्मचर्य (शुद्धता)– अपनी इंद्रियों और इच्छाओं पर नियंत्रण रखना।
5. गैर-भौतिक चीजों से दूरी– भौतिक वस्तुओं और सांसारिक मोह-माया से दूरी बनाकर रखना।

स्वामी महावीर के विचार

- जैसे धागे में पिरोई हुई सुई सुरक्षित रहती है, उसी तरह स्व-अध्ययन मे लगा व्यक्ति कभी भटकता नहीं है।
- जो ज्ञान सत्य को समझने में सहायक हो, मन को स्थिर करे और आत्मा को शुद्ध बनाए, वही सच्चा ज्ञान कहलाता है।
- हर जीव के प्रति करुणा रखें, क्योंकि घृणा अंततः विनाश का कारण बनती है।
- मनुष्य अपने ही दोषों के कारण दुखी होता है और उन्हें सुधारकर ही सुख प्राप्त कर सकता है।
- आत्मा अकेली ही इस संसार में आती है और अकेली ही चली जाती है, न कोई उसका सच्चा साथी होता है और न मित्र।

ब्राइडल ग्लो के लिए आयुर्वेदिक उबटन

शादी से पहले स्किन की खास देखभाल करना बहुत जरूरी होता है। केमिकल प्रोडक्ट्स के बजाय आयुर्वेदिक उबटन एक सुरक्षित और नेचुरल विकल्प है। यह स्किन को अंदर से साफ करता है और नेचुरल ग्लो देता है। शादी हर लड़की के जीवन का एक खास और यादगार पल होता है और इस दिन हर दुल्हन चाहती है कि उसकी त्वचा नेचुरली ग्लो करे। लेकिन आजकल केमिकल प्रोडक्ट्स के ज्यादा इस्तेमाल से स्किन को नुकसान भी हो सकता है। ऐसे में आयुर्वेदिक उबटन एक सुरक्षित और असरदार विकल्प माना जाता है, जिसे हमारी दादी-नानी भी सालों से इस्तेमाल करती आ रही हैं। यह उबटन प्राकृतिक जड़ी-बूटियों और घरेलू चीजों से तैयार होता है, जो स्किन को अंदर से साफ करके उसे हेल्दी और चमकदार बनाता है। नियमित रूप से इसका इस्तेमाल करने से टैनिंग कम होती है, डेड स्किन हटती है और स्किन सॉफ्ट व ग्लोइंग बनती है, जिससे दुल्हन का लुक और भी निखर जाता है।

इन सभी चीजों को मिलाकर एक साफ कांच के जार में स्टोर करें:

सूखी सामग्री : बेसन – 3 बड़े चम्मच, मसूर दाल पाउडर – 2 बड़े चम्मच, संतरे के छिलके का पाउडर – 1.5 बड़े चम्मच, कस्तूरी हल्दी – 1 बड़ा चम्मच, गुलाब पंखुड़ी पाउडर – 1 बड़ा चम्मच, नीम पाउडर – 1 बड़ा चम्मच, चंदन पाउडर – 1 बड़ा चम्मच, तुलसी पाउडर – 1 बड़ा चम्मच, चावल का आटा – 2 बड़े चम्मच, ओट्स आटा – 2 बड़े चम्मच, मुल्तानी मिट्टी – 2 बड़े चम्मच, आंवला पाउडर – 1 बड़ा चम्मच, कॉफी पाउडर – 1 बड़ा चम्मच, मंजिष्ठा पाउडर – 1 बड़ा चम्मच, सूखा गुड़हल पाउडर – 1 बड़ा चम्मच, दूध या दही (स्किन टाइप के अनुसार, एलोवेरा जेल, गुलाब जल, शहद।

बनाने की विधि : 4–5 चम्मच ड्राई उबटन लें और उसमें गीली सामग्री मिलाकर स्मूद पेस्ट तैयार करें। अब इसे हाथ, पैर और गर्दन पर लगाएं। 10–12 मिनट तक सूखने दें और फिर गुनगुने पानी से धो लें। इसे हफ्ते में 2–3 बार इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्किन टाइप के अनुसार सावधानियां :

ड्राई स्किन : दूध, दही या शहद का इस्तेमाल करें। अगर स्किन ज्यादा ड्राई लगे, तो मुल्तानी मिट्टी कम करें।

ऑयली स्किन : गुलाब जल और एलोवेरा जेल का इस्तेमाल करें। शहद ना मिलाएं।

सेंसिटिव स्किन : पहले पैच टेस्ट करें। अगर स्किन रिएक्टिव है, तो संतरे का पाउडर और कॉफी ना डालें। केवल एलोवेरा और गुलाब जल का उपयोग करें।

गर्मियों में बेहतर कंफर्ट के साथ एक स्टाइलिश लुक

गर्मियों में स्टाइल और कंफर्ट दोनों एक ही आउटफिट में चाहिए तो कॉटन अनारकली कुर्ता सेट से बेहतर भला क्या होगा! कॉटन की हल्की और आरामदायक फैब्रिक सहित अनारकली का हवादार स्टाइल बॉडी में ठंडक का एहसास बनाए रखते हैं। इस तरह गर्मी में लंबे घंटों तक कैरी करने पर भी किसी तरह की परेशानी नहीं होती। अनारकली के ये 8 ऑप्शंस बेहतर कंफर्ट के साथ एक स्टाइलिश लुक क्रिएट करने में आपकी मदद करेंगे।

- अनारकली कुर्ता सेट उन महिलाओ के लिए परफेक्ट है, जिन्हे कुर्ता पहनना पसंद है। इसपर एंब्रॉयडरी की गई है, जो इसके आकर्षण मे चार चांद लगा रही। सिंपल और एलिगेंट लुक के लिए ये परफेक्ट रहेगी। इसकी फैब्रिक हल्की और आरामदायक है, ये एक समर फ्रेंडली आउटफिट है।
- कलमकार प्रिंटेड कॉटन कुर्ता सेट सिंपल और एलिगेंट लुक के लिए परफेक्ट है। गर्मी मे इसकी आरामदायक फैब्रिक शरीर मे ठंडक का एहसास बनाए रखेगी। इन्हें ऑफिस वियर से लेकर फेस्टिवल्स पर अपने अनुसार स्टाइल कर सकती हैं। वहीं इस समय इसपर आकर्षक डिस्काउंट ऑफर उपलब्ध है, ये मौका हाथ से न जाने दें।
- फ्लोरल प्रिंटेड अनारकली कुर्ता सेट का लुक आपके आकर्षण मे चार चांद लगा देगा। लंबे समय से आरामदायक कुर्ता सेट की तलाश मे है, तो यह खूबसुरत विकल्प जरूर ट्राई करें। इस अनारकली कुर्ता सेट को ऑफिस वियर से लेकर डेली वियर तक आराम से स्टाइल कर सकती हैं। गर्मी मे ये हल्का आरामदायक विकल्प जरूर ट्राई करें।
- ये फ्लोरल प्रिंटेड कुर्ता सेट एक सिंपल और अट्रैक्टिव समर आउटफिट है, जिसे महिलाओं ने काफी पसंद किया है। इसकी फैब्रिक को भी लोगों ने एप्रिशिएट किया है। अगर आपको भी ये विकल्प पसंद आया है, तो वेडिंग सीजन हो या फेस्टिव सीजन इसे आपने अनुसार स्टाइल कर सकती हैं।

हिंसा की कगार पर खड़े विश्व को राह दिखाता भगवान महावीर का संदेश

–डॉ मंजू मंगल प्रभात लोढ़ा

आज जब विश्व हिंसा के कगार पर खड़ा है, ऐसे में प्रभु महावीर के सिद्धांतों की अनिवार्यता और बढ़ गई है। आज घर-घर, विश्व के हर कोने में प्रभु महावीर के संदेशों का प्रचार होना अति आवश्यक है। प्रभु महावीर के अहिंसा, अपरिग्रह, अनेकांतवाद, अभय, वीरता और सत्य के इन सिद्धांतों को हम सबको अपने जीवन में उतारना होगा। तभी यह विश्व एक सुंदर और युद्ध-रहित स्थान बन सकेगा।

महावीर तुम आओ, इस जग को तुम तारो,
हे प्रभु तुमको आना ही पड़ेगा,
इस संसार को तारणा ही पड़ेगा,
महावीर तेरे बिना सुना-सुना ये जग सारा,
तेरे बिना कोई राह सुझाई नहीं देती,
तुम होते दुनिया में तो, यह विपदा न आती,
तेरे दर्शन को यूं आंखे ना तरसती,
तुम होते तो चारो तरफ सुख की हरियाली होती,
तुम होते तो सत्य, अहिंसा का परचम लहराता,
तुम होते तो अपरिग्रह की भावना साकार होती,
कोई भूखा न सोता, रोटी, कपड़ा, मकान सबको सुलभ होता,
तुम होते तो आतंकवाद साकार न होता,
न आतंकवाद होता, न अराजकता होती,
प्रभु क्यो नहीं आते एक बार,
माना आप मोक्ष में विलीन हो गये हो,
धरती पर जन्म नहीं ले सकते,
पर कुछ करो ऐसा चमत्कार,
हर दिल में आप बस जाओ,
हर मन में आपका हो वास,
हर हृदय में हो आपका जन्म,
फिर ना होगा कोई युद्ध,
न होगी कोई मार-काट,
चारों तरफ होगा शांती का साम्राज्य,
ये दुनिया और अधिक खुबसुरत, सुंदर रहने लायक बन जायेगी
यह कलियुग सतयुग, में बदल जायेगा ये कलियुग सतयुग,
में बदल जायेगा।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए शुभ रहेगा। व्यवसाय में बड़ा आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है, जिससे आमदनी बढ़ेगी और समाज में मान-सम्मान भी मिलेगा। परिवार का माहौल भी खुशहाल रहेगा। नौकरी और व्यवसाय दोनों में मनचाहा लाभ मिल सकता है। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। आर्थिक लाभ के अच्छे संकेत हैं और आय में वृद्धि हो सकती है। लव लाइफ और दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

वृषभ राशि - आज का दिन आपके लिए विशेष रहने वाला है। जिस काम को हाथ में लेंगे, उसमें सफलता मिलने की संभावना है, लेकिन जल्दबाजी से बचना जरूरी होगा। कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम मिलेंगे और मेहनत का फल मिलेगा। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रह सकती है। परिवार और संतान का पूरा सहयोग मिलेगा, अविवाहितों के लिए रिश्ते की बात बन सकती है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और ऊर्जा महसूस करेंगे।

मिथुन राशि - आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। मित्रों के साथ समय बिताने का मौका मिल सकता है और कार्यक्षेत्र में भी अच्छे परिणाम मिलेंगे। नौकरी और व्यापार में लाभ के योग बन रहे हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। दांपत्य जीवन में मधुरता रहेगी और रिश्ते मजबूत होंगे। मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत महसूस करेंगे।

कर्क राशि - आज का दिन थोड़ा सावधानी से बिताने का है। कार्यक्षेत्र में चल रही राजनीति से दूर रहना बेहतर रहेगा। नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं, लेकिन सहकर्मियों की सलाह लेना जरूरी होगा। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। परिवार और संतान से जुड़े मामलों पर ध्यान देना जरूरी होगा। मानसिक तनाव से बचने की कोशिश करें।

सिंह राशि - आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहने वाला है। मेहनत और ईमानदारी का अच्छा परिणाम मिलेगा और समाज में पहचान बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के योग हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा।

कन्या राशि - आज का दिन आपके पक्ष में रहेगा। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा और जीवनसाथी के साथ संबंध और मजबूत होंगे। साझेदारी के व्यापार में कुछ चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन समझदारी से हल निकाल लेंगे। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर रहेंगे। परिवार के बुजुर्गों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला राशि-आज का दिन आपके लिए सकारात्मक रहेगा। जीवनसाथी से आर्थिक मामलों में सहयोग मिल सकता है। मीडिया और शिक्षा से जुड़े लोगों को लाभ मिल सकता है। आय में सुधार के संकेत मिल रहे हैं। दांपत्य जीवन में सामंजस्य बना रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृश्चिक राशि - आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आ सकता है। व्यापार में लाभ के संकेत मिलेंगे और परिवार में भी सुख-शांति बनी रहेगी। व्यापार में अच्छा लाभ मिल सकता है। खर्च बढ़ सकता है, खासकर किसी उधार या खरीदारी पर। रिश्तों में मधुरता बनाए रखें।

धनु राशि- आज का दिन ऊर्जा से भरा रहेगा। लंबी यात्रा के योग बन सकते हैं, जो आपके लिए लाभकारी साबित हो सकती है। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान से लाभ मिल सकता है। आर्थिक स्थिति सामान्य से बेहतर रह सकती है। वैवाहिक जीवन में तालमेल बना रहेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मकर राशि - आज का दिन उत्साह से भरा रहेगा, लेकिन स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना जरूरी होगा। कार्यक्षेत्र में किसी बड़ी समस्या का समाधान निकालने में सफल हो सकते हैं। व्यापारियों को मनचाहा लाभ मिलने के संकेत हैं। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। रक्तचाप से संबंधित समस्या हो सकती है, सावधानी रखें।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। पारिवारिक और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं और अधिकारी आपकी सराहना करेंगे। व्यापार में किसी महिला मित्र की मदद से लाभ मिल सकता है। परिवार में मांगलिक कार्य की योजना बन सकती है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मीन राशि- आज का दिन व्यस्तता भरा रह सकता है। मेहनत से आर्थिक लाभ के योग बनेंगे, लेकिन खर्च भी बढ़ सकते हैं। नौकरी और व्यवसाय में नए अवसर मिल सकते हैं। धन लाभ की संभावना है, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण रखें। दांपत्य जीवन में संतुलन बनाए रखें। आराम करने से स्वास्थ्य में सुधार महसूस होगा।

- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

खिचड़ी का पूरा सच : कब खाएं, कितना खाएं

खिचड़ी एक बहुत ही साधारण लेकिन पौष्टिक भारतीय भोजन है। इसे चावल और दाल से बनाया जाता है, जो मिलकर शरीर को जरूरी पोषण देते हैं। जब भी कोई बीमार होता है या पेट से जुड़ी समस्या होती है, तो सबसे पहले खिचड़ी खाने की सलाह दी जाती है। यही कारण है कि इसे 'हीलिंग फूड' भी कहा जाता है।

खिचड़ी के फायदे

पचने में आसान: खिचड़ी बहुत हल्की होती है और जल्दी पच जाती है। इसमें ज्यादा मसाले या तेल नहीं होता, जिससे पेट पर ज्यादा दबाव नहीं पड़ता। इसलिए यह बीमार लोगों या कमजोर पाचन वाले लोगों के लिए बेस्ट मानी जाती है।

शरीर को देती है पूरा पोषण: खिचड़ी में दाल और चावल दोनों होते हैं। दाल से प्रोटीन मिलता है और चावल से कार्बोहाइड्रेट। यह शरीर को ऊर्जा देता है और कमजोरी दूर करता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद: खिचड़ी पेट को आराम देती है और पाचन तंत्र को सही रखने में मदद करती है। अगर आपको गैस, एसिडिटी या पेट दर्द की समस्या है, तो खिचड़ी खाने से राहत मिल सकती है।

डिटॉक्स में मददगार: खिचड़ी शरीर को हल्का महसूस कराती है और टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करती है। कई लोग डिटॉक्स डाइट में खिचड़ी को शामिल करते हैं।

वजन घटाने में सहायक: अगर कम तेल और मसाले में खिचड़ी बनाई जाए, तो यह वजन कम करने में मदद कर सकती है।

खिचड़ी के नुकसान

ज्यादा खाने से पोषण की कमी: अगर आप सिर्फ खिचड़ी पर ही निर्भर रहते हैं, तो शरीर को बाकी जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाते। इसमें विटामिन और फैट की मात्रा कम होती है।

ज्यादा कार्बोहाइड्रेट: खिचड़ी में चावल होता है, जिससे इसमें कार्बोहाइड्रेट ज्यादा होता है। डायबिटीज के मरीजों को इसे सीमित मात्रा में खाना चाहिए।

जल्दी भूख लग सकती है: कुछ लोगों को खिचड़ी खाने के बाद जल्दी भूख लग जाती है, क्योंकि यह बहुत हल्की होती है।

स्वाद में एक जैसा: अगर रोज-रोज खिचड़ी खाई जाए, तो इसका स्वाद बोरिंग लग सकता है, जिससे खाने में रुचि कम हो जाती है।

हाइड्रोथेरेपी के गजब के फायदे

हाइड्रोथेरेपी को वॉटर थेरेपी भी कहते हैं, इसमें पानी का इस्तेमाल करके शरीर की विभिन्न बीमारियों का इलाज किया जाता है या स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जाता है। आइए जानते हैं इसके फायदे...

स्वास्थ्य को सुधारने में मददगार-

हाइड्रोथेरेपी या जल चिकित्सा प्राकृतिक चिकित्सा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो पानी के विभिन्न तापमानों का उपयोग करके शरीर के दर्द, विषाक्त पदार्थों को दूर करने और स्वास्थ्य सुधारने में मदद करती है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के तहत यह प्राचीन भारतीय पद्धतियों जैसे आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा से जुड़ी हुई है।

शरीर को डिटॉक्स करे-

यह थेरेपी शरीर की जीवन शक्ति को बढ़ाकर बीमारियों से लड़ने की क्षमता को मजबूत करती है। प्राकृतिक चिकित्सा मे स्वास्थ्य को शरीर के आंतरिक संतुलन से जोड़ा जाता है, जब नींद, पोषण, व्यायाम, प्रार्थना या उपवास जैसी आदतें बिगड़ती हैं, तो जीवन शक्ति कमजोर पड़ती है और बीमारियां जन्म लेती हैं। हाइड्रोथेरेपी पानी के माध्यम से शरीर को डिटॉक्सिफाई करती है, मांसपेशियों को आराम देती है, रक्त संचार बढ़ाती है और सूजन कम करती है।

मांसपेशियों को ढीला करे-

हाइड्रोथेरेपी सिर्फ माइग्रेन तक सीमित नहीं है। यह कई शारीरिक और मानसिक समस्याओं में कारगर साबित हुई है। इसमें पुराना दर्द, जोड़ों का दर्द, पीठ दर्द और मांसपेशियों मे अकड़न, गठिया या अर्थराइटिस, फाइब्रोमायल्जिया की समस्या मे काफी राहत मिलती है, तनाव और चिंता दूर होती है। गर्म पानी मांसपेशियों को ढीला करता है। तनाव हार्मोन कम करता है और मन को शांत करता है। इसके अलावा न्यूरोपैथी, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज, अस्थमा, मोटापा और पोस्ट-सर्जरी रिकवरी में भी हाइड्रोथेरेपी फायदेमंद है।

इम्यून सिस्टम करे मजबूत-

यह थेरेपी शरीर से विषाक्त पदार्थ निकालती है। रक्त वाहिकाओं को फैलाने-संकुचित करने में मदद करती है और इम्यून सिस्टम को मजबूत करती है। इसमें दवाओं के बजाय शरीर की स्वाभाविक हीलिंग क्षमता पर जोर दिया जाता है। हाइड्रोथेरेपी आसान, सुरक्षित और प्रभावी है, खासकर उन लोगों के लिए जो दवाओं से पूरा लाभ नहीं ले पाते। विशेषज्ञ सलाह लेते हुए इसे अपनाना चाहिए, क्योंकि यह क्रॉनिक, एलर्जिक, ऑटोइम्यून और तनाव से जुड़ी कई समवीसी स्याओं मे राहत देने के लिए भी बेहतर है।

नर्वस सिस्टम को बेहतर-

यह उपचार गर्म पानी मे डुबकी, ठंडे पैक, स्टीम बाथ, पूल मे व्यायाम या सिर पर बर्फ की मालिश जैसे तरीकों से किया जाता है। एक अध्ययन मे माइग्रेन के मरीजों पर हाइड्रोथेरेपी का प्रभाव देखा गया। 40 पुराने माइग्रेन रोगियों को दो समूहों मे बांटा गया, एक को पारंपरिक दवाओं के साथ हाइड्रोथेरेपी (गर्म पानी मे हाथ-पैर डुबोना और सिर पर बर्फ मालिश) दी गई, जबकि दूसरे को सिर्फ दवाएं। 45 दिनों बाद हाइड्रोथेरेपी वाले समूह मे सिरदर्द बार-बार होने की समस्या, तीव्रता और हेडेक इम्पैक्ट टेस्ट स्कोर मे ज्यादा कमी आई। साथ ही हार्ट रेट वेरिएबिलिटी मे सुधार हुआ, जो ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम की बेहतरी दिखाता है। इससे माइग्रेन के ऑटोनॉमिक लक्षणों मे राहत मिली।

दुर्ग इंदिरा मार्केट में भीषण आग,जूते चप्पल की दुकान में लाखों का नुकसान

आग बुझाने पन्द्रह से अधिक गाड़ियों की पानी का किया गया इस्तेमाल

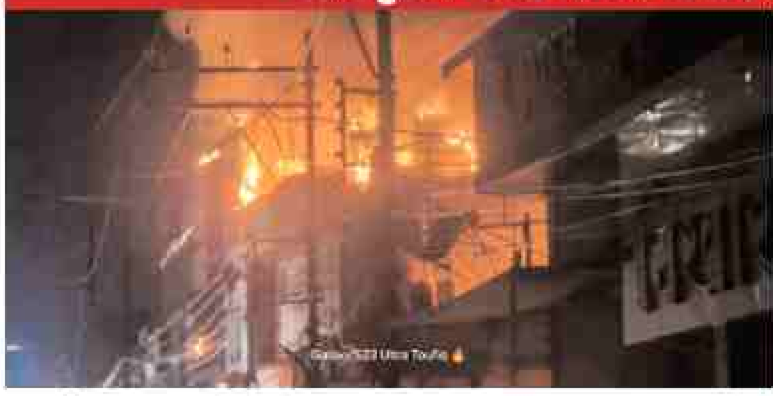

दुर्ग। शहर के इंदिरा मार्केट में रविवार की रात को भीषण आग लग गई। जूते चप्पल की दुकान में लगी । सूचना के बाद मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि हादसे से लाखों का नुकसान हुआ है। आग लगने का कारण अज्ञात है। शार्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है । इंदिरा मार्केट के जूता चप्पल की दुकान में रात 10 बजे के आसपास अचानक आग लग गई। इसकी सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची । आग से तीन और दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया था । मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने देखा कि दुकान में भीषण आग लगी हुई है। फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल दुकान का शटर खोल कर पानी डालकर आग बुझाने का कार्य शुरू किया । आग पर काबू पाने में करीबन 4 से पांच घंटे का समय लगा। आग बुझाने पन्द्रह से अधिक गाड़ियों की पानी का इस्तेमाल किया गया। जिला अग्निशमन अधिकारी नागेंद्र कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि, आग लगने की मुख्य वजह शॉर्ट सर्किट हो सकती है। इस भीषण आग को काबू पाने पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम में सहायक फायर प्रभारी प्रवीण बाग, सहायक स्टेशन प्रभारी संतोष पाण्डेय, अग्निशमन दल प्रभारी धनु यादव, केशव यादव, घनश्याम यादव, अग्निशमन कर्मचारी संतोष मढरिया, राजूलाल, कुलेश्वर, उमाशंकर, टीकेश्वर, कमलेश, पराग, नितिन रामटेक, रमेश, हरीश आदि की सराहनीय भूमिका रही। एएसपी सिटी सुखनंदन राठौर ने बताया कि इंदिरा मार्केट में आग लगने की सूचना पर तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। जांच के बाद ही आग लगने का वास्तविक कारण स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल पुलिस और प्रशासन नुकसान का आकलन करने में जुटी है

प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक विचार हम सभी के लिए मार्गदर्शक : रामू रोहरा

मकेश्वर वार्ड में मन की बात कार्यक्रम का 132वां संस्करण उत्साहपूर्वक संपन्न

धमतरी। मकेश्वर वार्ड में देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात का 132वां संस्करण बड़े ही उत्साह एवं गरिमामय वातावरण में सुना गया। कार्यक्रम में वार्ड के नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता रही। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महापौर रामू रोहरा की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि मन की बात कार्यक्रम देशवासियों को एक सूत्र में जोड़ने का सशक्त माध्यम है, जो समाज में सकारात्मक सोच, जनजागरूकता एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को निरंतर प्रोत्साहित करता है। महापौर रोहरा ने कहा कि प्रधानमंत्री के प्रेरणादायक विचार हम सभी के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे इन संदेशों को अपने जीवन में आत्मसात कर समाज एवं देश के विकास में सक्रिय योगदान दें। कार्यक्रम में जिला महामंत्री महेन्द्र पण्डित, सभापति कौशल्या देवांगन, हेमराज सोनी, आशा लोधी, नंदू लोधी, राजीव चंद्राकर, भागवत यादव, चन्द्रकला पटेल, कृष्णा हिरवानी सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी नागरिकों ने प्रधानमंत्री के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना तथा उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति एवं प्रेरणा से ओतप्रोत रहा।

असम के तैराकों ने राज्यपाल रमेन डेका से की सौजन्य भेंट

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 प्रतियोगिता में भाग लेने आए असम राज्य के तैराक खिलाड़ियों ने यहां लोक भवन में राज्यपाल रमेन डेका से सौजन्य मुलाकात की। खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 9 पदक जीतकर फर्स्ट रनर-अप का स्थान हासिल किया है। राज्यपाल डेका ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि खेलों में अनुशासन, समर्पण और टीम भावना से ही ऐसी सफलता हासिल होती है। राज्यपाल ने खिलाड़ियों को भविष्य में भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर खिलाड़ियों के साथ असम स्विमिंग एसोसिएशन के संयुक्त सचिव दिव्य ज्योति शर्मा, तकनीकी अधिकारी जान मनी बोरा तथा कोच भी उपस्थित रहे।

अमृतसर से दुर्ग तक फैला नशीली दवाओं का जाल

8.65 लाख की हेरोइन के साथ 3 गिरफ्तार

भिलाई । दुर्ग पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। खुर्सीपार थाना क्षेत्र में घेराबंदी कर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनसे 43.14 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है। जब्त नशीले पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 8,65,800 रुपये आंकी गई है।

अमृतसर कनेक्शन का खुलासा- पकड़े गए आरोपियों में मुख्य आरोपी विजय सिंह (26 वर्ष) मूल रूप से अमृतसर (पंजाब) का निवासी है। वह दुर्ग के खुर्सीपार इलाके में रहकर मादक पदार्थों की सप्लाई चेन का संचालन कर रहा था। पुलिस की इस कार्रवाई से पंजाब से छत्तीसगढ़ तक जुड़े नशा कारोबार के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ है।

मिनी स्टेडियम के पास हुई घेराबंदी- 29 मार्च को पुलिस को सूचना मिली थी कि मिनी स्टेडियम सुलभ शौचालय के पास कुछ युवक हेरोइन की बिक्री करने की फिराक में हैं। तत्काल हरकत में आते हुए पुलिस टीम और साइबर सेल ने मौके पर दबिश दी और तीन आरोपियों को धर दबोचा।पकड़े गए आरोपी विजय सिंह (26 वर्ष): अमृतसर (पंजाब), हाल निवासी खुर्सीपार,मीर नौशाद अली (26 वर्ष) जवाहर नगर, वैशाली नगर, सुरेंद्र क्षत्रिय (23 वर्ष): मुंबई आवास, वैशाली नगर.पुलिस ने आरोपियों के पास से हेरोइन: 43.14 ग्राम (कीमत 8,65,800) नगदी: ?3,640 और 5 नग मोबाइल फोन, कुल मशरूका बरामद की है:

थाना खुर्सीपार में आरोपियों के खिलाफ NDPS एक्ट की धारा 8/21(क) और 27(क) के तहत अपराध क्रमांक 111/2026 दर्ज किया गया है।न्यायालय के आदेश पर तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

इस कार्यवाही में उप निरीक्षक देवलाल साहू, एएसआई तुलसीराम विझेकर, प्रधान आरक्षक आनंद तिवारी, आरक्षक चुमुक सिंह, दिलीप हरदे और साइबर सेल की टीम की विशेष भूमिका रही।

शराब घोटाले व सट्टा का पूर्व सीएम के दामन में दाग उन्हें साय सरकार पर आरोप लगाने का हक नहीं : चेतन

धमतरी। पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने धमतरी आगमन के दौरान प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार को अफ मिन्ची सरकार कहा। इस पर भाजपा जिला कोषाध्यक्ष चेतन हिन्दूजा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। हिन्दूजा ने कहा कि पूर्व सीएम ने अपने पांच साल के कार्यकाल में प्रदेश को नशे के गर्त में डुबो दिया था। उन्होंने शराब को सिर्फ अवैध कमाई का जरिया बना लिया था, तभी तो जांच में शराब घोटाले के आरोप उन पर भी लगे, बल्कि शराब घोटाले में ही उनके पुत्र को जेल भी जाना पड़ा। यही नहीं महादेव सट्टा खिलाने वालों को संरक्षण देकर प्रदेश के युवाओं को जुएं के दलदल में धकेलने का काम भूपेश बघेल ने किया था। अब उन्हें अफीम को लेकर प्रदेश की साय सरकार पर आरोप लगाने का कोई हक नहीं है। उन्होंने अफीमची सरकार कहा उसके लिए माफी मांगना चाहिए। हिन्दूजा ने आगे कहा कि बघेल की सरकार में अवैध काम करने वालों को बढ़ावा मिलता था जबकि साय सरकार में कार्रवाई की जा रही है। अफीम की खेती हो या फिर अवैध प्लाटिंग का मामला, सभी में साय सरकार ने कड़ी कार्रवाई की है, जिसे पूर्व सीएम पचा नहीं पा रहे है। इसलिए, सुशासन की सरकार पर झूठे आरोप लगाने का काम कर रहे है। अगर भूपेश बघेल पांच साल तक घोटाले करने की बजाए आम जनता के हित में काम किये होते तो उन्हें विपक्ष में बैठने की जरूरत नहीं पड़ती। पूर्व सीएम को उलजलूल बयान देने के पहले राजनीति में शब्दों की मर्यादा का ख्याल रखना चाहिए, सुशासन की सरकार को अफीमची सरकार कहना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

लाल बगीचा वार्ड क्रमांक 03 में पानी की समस्या का निरंतर समाधान

धमतरी। लाल बगीचा वार्ड क्रमांक 03 में लगातार बनी हुई पानी की समस्या को देखते हुए महापौर जगदीश रामू रोहरा, जल विभाग सभापति अखिलेश सोनकर एवं वार्ड पार्षद तथा सभापति विधि एवं सामान्य प्रशासन विभाग हिमानी भगवत साहू के द्वारा निरंतर पानी की आपूर्ति कराई जा रही है, जिससे वार्डवासियों को पानी की समस्या काफी हद तक कम हो रही है। नगर निगम की टीम द्वारा वार्ड की समस्या पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है तथा पंचराम की टीम द्वारा छुट्टी के दिनों में भी लगातार कार्य किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को राहत मिल रही है। इस सराहनीय कार्य के लिए वार्डवासियों द्वारा सभी जनप्रतिनिधियों एवं निगम की टीम को हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया गया।

विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में रंजना साहू हुई शामिल

धमतरी। सकल जैन श्रीसंघ धमतरी के तत्वावधान में आचार्य भगवान 1008 श्री रामलाल जी म.सा. के जन्मदिवस के पावन अवसर पर स्व.लक्ष्मी बाई चंपालाल लुनिया की पुण्य स्मृति में ताराचंद मूलचंद लुनिया परिवार एवं समता युवा मंच धमतरी के विशेष सहयोग से विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यक परामर्श एवं उपचार सुविधाएं प्रदान की गईं। शिविर की विशेषता कृत्रिम पैर वितरण रही, जिससे जरूरतमंदों को नई आशा और सहारा मिला। बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू शामिल हुईं। उन्होंने भी शिविर में अपना स्वास्थ्य परीक्षण करवाते हुए रक्तचाप, शुगर एवं अन्य जांच कराई। इस अवसर पर रंजना साहू ने कहा कि इस व्यस्त जीवन और बढ़ती स्वास्थ्य चुनौतियों के दौर में इस प्रकार के निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन वास्तव में अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक पहल है। एक ही स्थान पर विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच, परामर्श और उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना निश्चित ही जनसेवा का श्रेष्ठ उदाहरण है। विशेष रूप से कृत्रिम पैर वितरण जैसी सेवा न केवल शारीरिक सहारा देती है, बल्कि जरूरतमंदों के जीवन में आत्मविश्वास और नई उम्मीद भी जगाती है। यह कार्य मानवता की सच्ची सेवा का परिचायक है। मैं सकल जैन श्रीसंघ धमतरी, लुनिया परिवार एवं समता युवा मंच को इस सराहनीय पहल के लिए हृदय से बधाई देती हूं। आपने सभी समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्ग तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाकर एक अनुकरणीय कार्य किया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप सभी इसी तरह सेवा, सहयोग और समर्पण के भाव से समाजहित में कार्य करते रहेंगे और अन्य संस्थाओं के लिए भी प्रेरणा बनेंगे। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को ऐसे आयोजनों से जुड़कर सेवा कार्यों में भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने शिविर के सफल आयोजन हेतु सकल जैन श्रीसंघ धमतरी, लुनिया परिवार एवं समता युवा मंच को धन्यवाद देते हुए सभी को बधाई दी।

दुर्ग में गूंजी 'बचपन की किलकारी': 'बचपन का टिकट' कार्यक्रम में महिलाओं ने जी ली अपनी पुरानी यादें

दुर्ग। घर की चौखट, रसोई की जिम्मेदारी और रोजमर्रा की भागदौड़ के बीच कहीं पीछे छूट गए बचपन को दुर्ग की महिलाओं ने आज फिर से जी लिया। पदमनाभपुर स्टेडियम में आयोजित अनोखे कार्यक्रम 'बचपन का टिकट : चलव दीदी खेल खेले बर जाबो' ने आज साबित कर दिया कि खेलने और मुस्कुराने की कोई उम्र नहीं होती।

पदमनाभपुर स्टेडियम आज केवल एक खेल का मैदान नहीं, बल्कि यादों के मेले जैसा नजर आया। जहाँ कभी सन्नाटा रहता था, आज वहाँ खो-खो की गूंज सुनाई दी.कबड्डी की हुंकार ने जोश भरा.रस्सा-कसी में महिलाओं का दमखम दिखा।चम्मच दौड़ की मस्ती ने बचपन की शरारतें ताजा कर दीं।

इस आयोजन के पीछे भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय की सोच रही। उन्होंने महिलाओं को घरेलू थकान और मानसिक तनाव से बाहर निकालकर खुद के लिए जीने का एक खूबसूरत मौका दिया। कार्यक्रम का सफल क्रियान्वयन दुर्ग की 'सखी सहेली महिला समूह' द्वारा किया गया।

इस प्रतियोगिता में भागीदारी पूरी तरह निशुल्क रखी गई थी, जिसमें दो मुख्य आयु वर्ग (18 से 25 वर्ष और 25 वर्ष से अधिक) की महिलाओं ने हिस्सा लिया।

विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार: खेल में जीत हासिल करने वाली महिलाओं को पुरस्कृत भी किया गया।

उद्देश्य: हार-जीत से परे, इस आयोजन का मुख्य संदेश महिलाओं के चेहरे पर मुस्कान लौटाना और उन्हें शारीरिक व मानसिक रूप से रिचार्ज करना था।

दुर्ग से उठी यह पहल केवल खेल तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज को संदेश देती है कि जिम्मेदारियों के बीच खुद के 'बचपन' को जिंदा रखना जरूरी है। 'बचपन का टिकट' कार्यक्रम की यादें हिस्सा लेने वाली हर 'दीदी' के दिल में हमेशा ताजा रहेंगी।

जिला न्यायाधीश ने किया दुर्ग केंद्रीय जेल का निरीक्षण

बंदियों से सीधे संवाद कर जानी समस्याएं, निशुल्क विधिक सहायता पर दिया जोर

दुर्ग। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा दुर्ग केंद्रीय जेल का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने जेल की सुरक्षा, स्वच्छता और बंदियों को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान न्यायाधीश महिला प्रकोष्ठ पहुंचे, जहाँ उन्होंने महिला बंदियों से उनके प्रकरणों की स्थिति, स्वास्थ्य सेवाओं, भोजन की गुणवत्ता और जेल परिसर की साफ-सफाई के संबंध में विस्तृत चर्चा की। इसके पश्चात उन्होंने जेल अस्पताल का भ्रमण कर बीमार बंदियों के स्वास्थ्य का हाल जाना और उनकी चिकित्सा संबंधी जरूरतों को सुना।

पुनर्वास आधारित योजनाओं (Skill & Reform Model) की समीक्षा करते हुए उन्होंने जेल में चल रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने कंप्यूटर प्रशिक्षण ले रहे बंदियों से मुलाकात की।

एलईडी बल्ब, अचार निर्माण, फर्नीचर और अन्य सामग्री तैयार कर रहे बंदियों के कार्यों की सराहना की और उनके प्रकरणों की जानकारी ली।

न्यायाधीश ने जेल अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सजायाफ्ता बंदियों के अपील संबंधी प्रकरणों को तुरंत अपडेट किया जाए और बंदियों को उनके केस की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया जाए। साथ ही नालसा (NALSA) के तहत नए बंदियों को निशुल्क विधिक सहायता के बारे में बताया । जो बंदी निजी वकील नहीं रख सकते, उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निशुल्क अधिवक्ता दिलाने का आश्वासन दिया गया।ऐसे बंदी जो परिहार (Remission) के पात्र हैं, उनके लंबित आवेदनों की सूची कारणों सहित प्राधिकरण को भेजने के निर्देश दिए गए।

निरीक्षण के अंत में उन्होंने जेल प्रशासन को स्पष्ट निर्देशित किया कि बंदियों को प्रदान की जाने वाली मौलिक सुविधाएं-जैसे स्वच्छ वातावरण, पौष्टिक भोजन, नियमित चिकित्सा जांच और शिक्षा-बिना किसी बाधा के सुनिश्चित की जाएं।

उन्होंने कैदियों का डेटा (ट्रायल स्थिति, जमानत, सजा अवधि) डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सत्यापित किये जाने के संबंध में जानकारी लेकर लंबित मामलों वाले बंदियों की पहचान कर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के सचिव, जेल अधीक्षक, महिला प्रकोष्ठ प्रभारी, अवास के कौंसिल व अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com